राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 169 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 दिसम्बर 2021 | मूल्य: 1.50/-

आशा कार्यकर्ताओं को 2,500 रूपए मासिक भत्ता मिलेगा : चन्नी

चमकौर साहिब (रूपनगर,पंजाब)। पंजाब के मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी ने राज्य की आशा कार्यकर्ताओं को 2,500 रूपए मासिक भत्ता देने और मध्याह्न भोजन कार्यकर्ताओं के भत्ते में 800 रूपए प्रतिमाह की वृद्धि करने की घोषणा बृहस्पतिवार को की। अपने विधानसभा क्षेत्र में एक रैली में चन्नी ने उक्त घोषणा की और कहा कि इन फैसलों से सरकार पर 124.25 करोड़ रुपए का खर्च बढ़ेगा।मुख्य रूप से आशा कार्यकर्ताओं और मध्याह्न भोजन कर्मचारियों को संबोधित करते हुए चन्नी ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं को पहले मिलने वाले इंसेटिव के स्थान पर अब मासिक 2500 रूपए का भत्ता मिलेगा। राज्य सरकार पर करीब 60 करोड़ रूपए का खर्च बढ़ेगा और करीब 22,000 आशा कार्यकर्ताओं को लाभ होगा। सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अब आशा कार्यकर्ताओं को भी राज्य सरकार के पांच लाख रुपए तक के कैशलेस स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल सकेगा। इसका प्रीमियम राज्य सरकार भरेगी और संक्रमण से ग्रस्त होने पर उनके इलाज का पूरा खर्च उठाया जाएगा।

मोदी पंजाब दौरे के दौरान कपूरथला में मेडिकल कॉलेज की नींव रखेंगे

कपूरथला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के फिरोजपुर दौरे के दौरान पांच जनवरी को डिजिटल माध्यम से कपूरथला में एक मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करेंगे। 24 एकड़ में बनने वाले इस मेडिकल कॉलेज पर 325 करोड़ रुपए की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय सिविल अस्पताल से सटे बाइपास रोड पर इसका निर्माण किया जाएगा और 2024 तक यह तैयार हो जाएगा।प्रधानमंत्री पांच जनवरी को फिरोजपुर जिले में चंडीगढ़ स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) के एक उपग्रह केंद्र का उद्घाटन करने वाले हैं। वह कार्यक्रम के बाद एक रैली को भी संबोधित कर सकते हैं। शारदा ने दावा किया कि रेल कोच फैक्ट्री की स्थापना के बाद से कपूरथला में मेडिकल कॉलेज एकमात्र बड़ी परियोजना है। फैक्ट्री की आधारशिला पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1985 में रखी थी।

समारोह में मास्क नहीं पहनने पर राउत ने कहा- मैं प्रधानमंत्री का अनुसरण करता हूं

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में बृहस्पतिवार को एक समारोह में मास्क के बगैर देखे गए शिवसेना सांसद संजय राउत ने दावा किया कि वह प्रधानमंत्री द्वारा पेश उदाहरण का अनुसरण कर रहे थे। महाराष्ट्र के नासिक में समारोह के इतर संवाददाताओं ने राज्य सभा सदस्य से पूछा कि उन्होंने मास्क क्यों नहीं पहना है क्योंकि कोविड-19 के प्रसार की रोकथाम के लिए आवश्यक मानदंडों का पालन किया जाना चाहिए।इस पर राउत ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों से मास्क पहनने की अपील करते हैं लेकिन वह स्वयं नहीं पहनते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे मास्क पहनते हैं लेकिन मोदी देश के नेता हैं। मैं प्रधानमंत्री का अनुसरण करता हूं और इसलिए मैं मास्क नहीं पहनता हूं और यहां तक कि लोग भी मास्क नहीं पहनते हैं। शिवसेना के प्रवक्ता ने इसके साथ ही यह भी कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रम में शिरकत करते समय हर व्यक्ति को इसका ध्यान रखना चाहिए।

समय पर विधानसभा चुनाव चाहते हैं सभी राजनीतिक दल

■ **लखनऊ**

मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी राजनीतिक दल समय पर राज्य का आगामी विधानसभा चुनाव संपन्न कराना चाहते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि पिछले दिनों उनके साथ बैठक में सभी राजनीतिक दलों ने उनसे कहा है कि राज्य में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए समय से चुनाव होने चाहिए। यह बयान इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हाल के उस आग्रह के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण माना जा सकता है, जिसमें उसने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य के विधानसभा चुनाव को कुछ समय के लिए टालने पर विचार करने को कहा गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की अगुवाई में चुनाव आयोग का एक दल लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे पर है और उसने अगले साल के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनाव के सिलसिले में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के अलावा चुनाव से संबंधित तमाम अधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें की हैं। राज्य की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 14 मई 2022 को समाप्त हो जाएगा। कुछ राजनीतिक दलों ने कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन किए बगैर हो रही चुनावी रैलियों पर चिंता जताते हुए रैलियों की संख्या को भी नियंत्रित करने की मांग की। इसके अलावा कुछ दलों ने प्रशासन के कुछ लोगों तथा पुलिस के पक्षपाती रवैए के बारे में भी शिकायत की। उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने नफरत भरे भाषणों और पेड न्यूज को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों से अवगत है और वह मतदान प्रक्रिया को और अधिक सुगम, सहज, सरल और प्रलोभन मुक्त बनाने के लिए तत्पर है।

रैलियों की संख्या को भी नियंत्रित करने की मांग

चंद्रा ने बताया कि कुछ राजनीतिक दलों ने कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन किए बगैर हो रही चुनावी रैलियों पर चिंता जताते हुए रैलियों की संख्या को भी नियंत्रित करने की मांग की।

पहली बार वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा

आयोग द्वारा पहली बार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग मतदाताओं तथा कोविड-19 से प्रभावित मतदाताओं को घर पर ही बैठकर पोस्टल वोट की वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर वे मतदान केंद्र पर आकर वोट डालना चाहते हैं तो उनका स्वागत है लेकिन अगर वह नहीं आ पाते हैं तो आयोग उनके दरवाजे पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी मतदाताओं की सूची राजनीतिक दलों को दी जाएगी और वीडियोग्राफी की टीम उनके घर जाएगी।

गांधी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने वाला महाराज गिरफ्तार

■ **रायपुर**

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी करने के आरोप में रायपुर पुलिस ने धार्मिक नेता कालीचरण महाराज को मध्यप्रदेश के खजुराहो से गिरफ्तार कर लिया। रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को बताया कि रायपुर पुलिस ने कालीचरण उर्फ अभिजीत धनंजय सराग को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें मध्यप्रदेश के खजुराहो शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर बागेश्वर धाम के पास किराए के मकान से तड़के गिरफ्तार किया गया। अग्रवाल ने बताया कि कालीचरण को शाम तक सड़क मार्ग से यहां लाया जाएगा।
पुलिस अधिकारी ने बताया कि कालीचरण के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद रायपुर पुलिस के तीन अलग अलग दलों को उनकी तलाश में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और दिल्ली रवाना किया गया था। रायपुर पुलिस के सात सदस्ईय दल ने कालीचरण को गिरफ्तार कर लिया। कालीचरण की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कालीचरण को 24 घंटे के भीतर अदालत में पेश किया जाएगा। बघेल ने अपने ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, महात्मा गांधी ने विश्व को शांति, भाईचारे, प्रेम, सत्य, अहिंसा और समानता का संदेश दिया है। ऐसे महापुरुष के बारे में कोई अभद्र भाषा का प्रयोग करे तो उनके खिलाफ कार्वाई होगी। छत्तीसगढ़ पुलिस ने यह कार्वाई की है। उनके परिवार वालों को सूचना दे दी गई है, उनके वकील को सूचना दे दी गई है। 24 घंटे के भीतर उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं एक अन्य ट्वीट में मुख्यमंत्री ने कहा, न्याय में इतना विलम्ब नहीं होना चाहिए कि वो अन्याय लगने लगे। मुख्यमंत्री के इस ट्वीट के बाद लोगों ने अलग अलग प्रतिक्रिया दी है। रायपुर के रावणभाठा मैदान में आयोजित धर्म संसद में महात्मा गांधी के खिलाफ अपशब्द बोलने के आरोप में कालीचरण के खिलाफ रविवार को मामला दर्ज किया गया था।

देश भर में ओमीक्रोन के 961 मामले

22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैला ओमीक्रोन

■ **नई दिल्ली**

देश में ओमीक्रोन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना का यह वैरिएंट अब तक 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। गुरुवार को ओडिशा में पांच नए मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक अब तक देश भर में ओमीक्रोन के 961 मामले मिल चुके हैं। स्वास्थ्य सचिव लव अग्रवाल ने गुरुवार को बताया कि ओमीक्रोन से संक्रमित 320 मरीज अब तक ठीक हो चुके हैं। बुधवार को इसकी चपेट में आने वाला पंजाब 23वां राज्य बना। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली में ओमीक्रोन के सबसे अधिक 263 मामले सामने आए। इसके बाद महाराष्ट्र में 252, गुजरात में 97, राजस्थान में 69, केरल में 65 और तेलंगाना में 62 मामले सामने आए हैं।स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि पूरी दुनिया में 121 देशों में एक महीने में ओमीक्रोन के 3,30,000 से ज्यादा मामले और कुल 59 मौतें रिपोर्ट की गई हैं। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी के बाद अब फिर से कमी दर्ज़ की जा रही है। इस सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत में एक दिन में कोरोना के 13,154 नए मामले सामने आए। इसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,48,22,040 हो गई है।

121 देशों में फैला ओमीक्रोन

विश्व में 121 देशों में एक माह में ओमीक्रोन के 3,30,000 से ज्यादा मामले, कुल 59 मौतें रिपोर्ट की गई हैं। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी के बाद अब फिर से कमी दर्ज़ की जा रही है।

49 दिन बाद 13 हजार से अधिक केस

देश में 49 दिन बाद कोरोना के 13 हजार से अधिक दैनिक मामले सामने आए हैं। इससे पहले 11 नवंबर को 24 घंटे में संक्रमण के 13,091 नए मामले सामने आए थे। 24 घंटों में कोरोना के सक्रिय मामालों की संख्या में 5,400 की वृद्धि दर्ज की गई है। अभी तक वैक्सीन की 143.83 करोड़ से अधिक डोज दी जा चुकी है।

किस राज्य में कितने केस

राज्य	कुल मामले	स्वस्थ हुए	राज्य	कुल मामले	स्वस्थ हुए
दिल्ली	263	57	बंगाल	11	1
महाराष्ट्र	252	99	मध्य प्रदेश	9	7
गुजरात	97	42	ओडिशा	9	1
राजस्थान	69	47	उत्तराखंड	4	0
केरल	65	1	चंडीगढ़	3	2
तेलंगाना	62	10	जम्मू-कश्मीर	3	3
तमिलनाडु	45	24	उत्तर प्रदेश	2	2
कर्नाटक	34	18	हिमाचल	1	1
आंध्र प्रदेश	16	1	लद्दाख	1	1
हरियाणा	12	2	पंजाब	1	1

चिंता बढ़ाने वाले सूबों के तौर पर उभर रहे हैं कई राज्य

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलनाडु, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और गुजरात कोविड-19 पाजिटिविटी रेट के लिहाज से चिंता बढ़ाने वाले राज्यों के रूप में उभर रहे हैं। देश में 33 दिनों के बाद कोविड-19 के एक दिन में 10 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ के हवाले से कहा कि साक्ष्यों से पता चलता है कि ओमिक्रोन वैरिएंट डेल्टा की तुलना में तेजी से फैलता है। दो-तीन दिनों में मामले दोगुना हो गए हैं।

व्यक्ति ने बेटे की जहर देकर हत्या की, खुद की भी जान देने की कोशिश की

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने चार वर्षीय बेटे को कथित रूप से जहर दे दिया और बाद में खुद की भी जान देने की कोशिश की। वह अपनी पत्नी के किसी व्यक्ति के साथ भागने को लेकर परेशान था। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने कहा कि जुडोला गांव के रहने वाले राजेश मित्तल का यहां एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार बुधवार शाम को जब उसका 10 वर्षीय बड़ा बेटा एक दुकान पर था तब मित्तल ने भरत को जहर दे दिया और खुद भी जहर खा लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब मोहित घर लौटा तो उसने पड़ोसियों को सूचित किया। पड़ोसी उन्हें अस्पताल ले गए जहां भरत को मृत घोषित कर दिया गया। मित्तल के खिलाफ उसकी बहन की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 328 के तहत फर्रूखनगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि राजेश मित्तल की पत्नी पायल कुछ दिन पहले घर में झगड़े के बाद मोनू नाम के शख्स के साथ भाग गई थी। हमने पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया है और आरोपी राजेश मित्तल के बयान का इंतजार कर रहे हैं।

ख़ास ख़बर

देश में बाघों की आबादी बेहतर होने की राह पर : सरकार

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में बाघों की आबादी को खराब स्थिति से बेहतर होने की सुनिश्चित राह पर लाया गया है। यह बात प्रत्एक चार वर्ष में आने वाली अखिल भारतीय बाघ अनुमान रिपोर्ट से भी स्पष्ट होती, जिसमें छह प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दिखाई गई है। मंत्रालय का यह बयान मध्य प्रदेश में हाल में हुई बाघों की मौत के बाद आया है।

गोवा चुनाव: आप अपने उम्मीदवारों से हलफनामे पर हस्ताक्षर कराएगी

पणजी। गोवा विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही आम आदमी पार्टी (आप) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके उम्मीदवारों को एक कानूनी हलफनामे पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वे अन्य दल में शामिल होने के लिए पार्टी नहीं छोड़ेंगे। आप के एक नेता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल नीत पार्टी ने चुनाव बाद दल-बदल को रोकने के मकसद से यह फैसला किया है क्योंकि पार्टी को लगता है कि गोवा नेताओं के दूसरे दलों में शामिल होने को लेकर कुख्यात रहा है। आप ने गोवा के आगामी विधानसभा चुनाव में सभी 40 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। आप नेता अमित पालेकर ने संवाददाताओं से कहा, छोटा सा राज्य होने के बावजूद गोवा राजनीतिक दल-बदल के लिए कुख्यात है।

जरा हट के... बग्गा

यूपी: मोदी-शाह के प्रचार से भाजपा की जीत की संभावना कम होगी

■ **जयपुर**

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश में जितना अधिक प्रचार करेंगे भाजपा की जीत की संभावना उतनी ही कम होगी। गहलोत ने कहा, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सभी काम छोड़कर उत्तर प्रदेश में कैंप (डेरा डाले) किए हुए हैं।

पहले पश्चिम बंगाल में कैंप किया था.. वहां मुंह की खानी पड़ी, अबकी बार उत्तर प्रदेश में कैंप किया है, तो मैं समझता हूं कि जितना कैंप करेंगे उतनी संभावना जीतने की कम हो जाएगी उनकी, क्योंकि जनता सब समझती है।

गहलोत ने संवाददाताओं से बातचीत में हरिद्वार और रायपुर में धर्म संसद के मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया और पूछा कि प्रधानमंत्री ने इस तरह के कृत्यों की निंदा और अपील क्यों नहीं की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का मैसेज (संदेश) मायने रखता है, प्रधानमंत्री अपील क्यों नहीं करते हैं, धर्म संसद में जो कुछ हुआ उसकी निंदा करनी चाहिए थी उनको, रायपुर में जो कुछ हुआ उसकी निंदा करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, एक तरफ आप गांधी को अपना रहे हो और एक तरफ गांधी के बारे में जो लफ्ज़ काम में लिए गए, फिर भी कुछ नहीं बोल रहे हो, तो ए दो बातें नहीं चल सकती हैं।

देश में माहौल ठीक करने की जरूरत

उन्होंने देश के वर्तमान में माहौल को बेहद खतरनाक करार देते हुए कहा कि देश में माहौल को ठीक करने की जरूरत है और इसके लिए केन्द्र सरकार पर लगातार जनता का दबाव होना चाहिए।ये बहुत खतरनाक माहौल है और मैं समझता हूं कि केंद्र सरकार पर जनता का भी दबाव लगातार बने रहना चाहिए, तब जाकर उनको समझ में आएगा कि हमें किस दिशा में जाना है ।

भाजपा से हाथ मिलाने के लिए एमवीए की आपस में होड़

एजेंसी ■ **पुणे**

भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में सत्ताधारी महा विकास आघाडी (एमवीए) का हर घटक दल अलग होने और भाजपा से हाथ मिलाने के लिए उत्सुक है। पाटिल ने संवाददाताओं के समक्ष दावा किया, सरकार के घटकों के बीच एक प्रतियोगिता चल रही है कि गठबंधन छोड़ने और भाजपा के साथ नई सरकार बनाने वाला पहला दल कौन होगा। वर्ष 2019 में शिवसेना के भाजपा से अलग होने के बाद शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस ने एमवीए का गठन किया था। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते थे कि 2019 में महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा और राकांपा हाथ मिला ले, इस बारे में पाटिल ने कहा कि अगर यह सच है तो पवार ने इसे बताने में इतना समय क्यों लगाया। मोदी और पवार वरिष्ठ नेता हैं, इसलिए हम जैसे लोगों के लिए यह पता लगाना मुश्किल होगा कि उनके बीच क्या बातचीत हुई थी।

प्रदेश भाजपा प्रमुख ने कहा, लेकिन अगर इस तरह की पेशकश कभी (मोदी द्वारा) की गई थी, तो मुझे नहीं लगता कि पवार इसे अस्वीकार करते। शीतकालीन सत्र संबंधित मुद्दों पर चर्चा किए बिना समाप्त करने के लिए भी एमवीए सरकार की आलोचना की।

बच्चों की कोवैक्सीन : मजबूत सुरक्षा, प्रतिरक्षा दिखी

■ **हैदराबाद**

भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि बीबीवी152 (कोवैक्सीन) टीका बच्चों के मामले में चरण दो और चरण तीन के अध्ययन में सुरक्षित और अच्छी प्रतिरक्षा उपलब्ध कराने वाला साबित हुआ है। टीका निर्माता ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारत बायोटेक ने 2-18 वर्ष की आयु के स्वस्थ बच्चों और किशोरों में कोवैक्सीन संबंधी सुरक्षा, प्रतिक्रिया और प्रतिरक्षण क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए चरण दो और तीन का बहुकेंद्रीय अध्ययन किया था। भारत बायोटेक के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कृष्णा एला ने कहा, बच्चों में कोवैक्सीन का चिकित्सीय परीक्षण डेटा बहुत उत्साहजनक है। बच्चों के लिए टीके से संबंधित सुरक्षा महत्वपूर्ण है और हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कोवैक्सीन अब बच्चों में सुरक्षा एवं प्रतिरक्षण क्षमता के लिहाज से बेहतर साबित हुआ है। हमने अब वयस्कों और बच्चों के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी कोविड-19 टीका विकसित करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। इस साल जून-सितंबर के बीच बच्चों पर किए गए टीके के चिकित्सीय परीक्षणों में मजबूत सुरक्षा और प्रतिरक्षा दिखी है। अक्टूबर 2021 के दौरान इसका डेटा केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को सौंपा गया था और हाल ही में भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने 12-18 आयु वर्ग के बच्चों के लिए कोवैक्सीन के आपातकालीन उपयोग की अनुमति प्रदान कर दी थी। विज्ञप्ति में कहा गया कि अध्ययन में किसी गंभीर प्रतिकूल घटना की सूचना नहीं मिली।

भारत-फिलीपीन : ब्रह्मोस मिसाइल के लिए सौदा करेंगे

■ **नई दिल्ली**

भारत और फिलीपीन जल्दी ही अंतर-सरकारी ब्रह्मोस मिसाइल सौदे को अंतिम रूप देंगे। फिलीपीन की नौसेना के लिए सुपरसोनिक मिसाइलों की खरीद के लिए दोनों देशों के बीच वर्षों से बातचीत चल रही थी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस खरीद से फिलीपीन के साथ भारत के रणनीतिक संबंधों के आगे बढ़ने की उम्मीद है। फिलीपीन दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे टकराव के मद्देनजर अपनी नौसेना को मजबूत बना रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ब्रह्मोस सौदे पर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है और दोनों पक्ष अगले कुछ हफ्तों में करार को औपचारिक रूप देने के लिए तैयार हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस भारत-रूस संयुक्त उद्यम है और यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का उत्पादन करता है जिन्हें पनडुब्बियों, पोतों, विमानों या जमीन से प्रक्षेपित किया जा सकता है। यह मिसाइल ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना की गति से उड़ान भरती है।

यह संस्करण लगभग 290 किलोमीटर दूरी तक मार सकता है। पिछले कुछ दिनों में फिलीपीन ने अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए कई रक्षा सौदे किए हैं। रूसी मिशन के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने पिछले साल नवंबर में कहा था कि भारत और रूस, फिलीपीन व कई अन्य देशों को ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात करने की योजना बना रहे हैं।

इंडोनेशिया सहित कई देशों और कई खाड़ी देशों ने मिसाइल खरीदने में रुचि दिखाई है।

सार समाचार

कहां गुम हो गए आईएसआई के नए चीफ? न वीडियो न तस्वीरें, दीदार को तरसी पाकिस्तानी मीडिया

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के नई डायरेक्टर जनरल है लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम। कहा जा रहा है कि, पाकिस्तानी मीडिया इनके दीदार को तरस रही है, दरअसल सोमवार को पाकिस्तान में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की एक बैठक हुई जिसमें आईएसआई के डीजी की मौजूदगी थी। लेकिन बैठक के बाद जब सरकार की ओर से मीडिया को फोटोज जारी की गईं उसमें नदीम अंजुम गायब थे, पाकिस्तानी सरकार की ओर से जारी की गई तस्वीर में नदीम अंजुम को छोड़कर बाकी सभी को देखा जा सकता है। जब नदीम अंजुम के तस्वीरों से गायब रहने का कारण पूछा गया तो, अधिकारियों ने बताया कि, आईएसआई चीफ के निदेशों के तहत ऐसा किया गया है, वे किसी भी आधिकारिक बैठक की फोटो या वीडियो जारी नहीं कर सकते जिसमें आईएसआई के डीजी की मौजूदगी हो। दरअसल पाकिस्तान के एजेंसी के नए डीजी ओर से अधिकारियों यह निर्देश है कि, किसी भी आधिकारिक बैठक की तस्वीरें या वीडियो मीडिया में ना जाए।

खुफिया सेवाओं का सबसे पहला सिध्दांत होता है मीडिया से दूर रहना

जबसे डीजी आईएसआई की नियुक्ति हुई है तब से उनकी कोई तस्वीर या वीडियो मीडिया में नहीं आई है। लेफ्टिनेंट जनरल (री.) अहमद शोएब कहते हैं कि, खुफिया सेवाओं का मूल सिद्वांत है कि मीडिया की नजरों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत में ऐसे नियम का कई बार उल्लंघन हो चुका है। कई बार सरकारें खुफिया प्रमुखों की तस्वीरें मीडिया को जारी कर चुकी हैं। अहमद शोएब ने कहा कि, टीवी पर खुफिया एजेंसी के प्रमुखों को नहीं दिखाना चाहिए। इस नियम का उल्लंघन अफगान युद्ध के वक्त भी हुआ था। जब जनरल हामिद गुल और जनरल जावेद नासिर आईएसआई की कमान संभाल रहे थे। आईएसआई में काम कर चुके मेजर जनरल (री.) एजाज एवान द न्यूज से बात करते हुए कहते हैं कि, डीजी आईएसआई मीडिया के सामने आए बिना भी अपने काम को कर रहे हैं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में कोरोना के मामले हुए 50 लाख के पार

सैक्रामेंटो (अमेरिका)। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 50 लाख के आंकड़े को पार कर गए हैं, संक्रमण के ज्ञात सर्वाधिक मामलों वाला यह पहला राज्य बन गया है। सरकारी आंकड़ों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। कैलिफोर्निया जन स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में संक्रमण का पहला मामला 25 जनवरी 2020 को सामने आया था। इसके ठीक 292 दिन बाद उसी वर्ष 11 नवंबर को संक्रमण के मामले बढ़कर दस लाख हो गए थे। इसके बाद 44 दिन में राज्य में संक्रमण के मामले बीस लाख से अधिक हो गए थे। राज्य में संक्रमण से 75,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र ने कैलिफोर्निया को देश के अधिकतर स्थानों के साथ वायरस के उच्च प्रसार वाले क्षेत्र की सूची में डाला है। इस बीच, राज्य में संक्रमितों के अस्पतालों में भर्ती होने के मामले धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। पिछले सात दिनों में अस्पतालों में भर्ती होने के मामले 12 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। इस दौरान 4,401 लोग अस्पाल में भर्ती हुए है। इन मामलों में अभी यह स्पष्ट नहीं हैं कि इनमें नए स्वरूप ओमीक्रोन के कितने मामले हैं।

अमेरिका के पूर्व सांसद एवं नेवादा से सबसे लंबे समय तक कांग्रेस के सदस्य रहे हैरी रीड का हुआ निधन

लास वेगास (अमेरिका)। अमेरिका के पूर्व सांसद एवं नेवादा से सबसे लंबे समय तक कांग्रेस के सदस्य रहे हैरी रीड का निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। पूर्व सांसद की पत्नी लैंड्रा रीड ने एक बयान में कहा, हैरी ने मंगलवार को अंतिम सांस ली, उस वक्त परिवार से सभी सदस्य मौजूद थे। वह पिछले चार साल से अग्न्याशय कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने कहा, हैरी एक समर्पित पारिवारिक व्यक्ति और निष्ठावान दोस्त थे। हम पिछले कुछ वर्षों में इतने सारे लोगों से मिले समर्थन की सराहना करते हैं। हम उन चिकित्सकों और नर्स के भी आभारी हैं, जिन्होंने हैरी का ध्यान रखा। लैंड्रा ने बताया कि हैरी के अंतिम संस्कार से जुड़ी जानकारी आने वाले दिनों में साझा की जाएगी। वाशिंगटन में 34 साल के करियर में, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बराक ओबामा के कार्यकाल में हैरी ने अहम भूमिकाएं निभाई। हैरी ने एक हादसे में एक आंख की रोशनी खोने के बाद 2016 में राजनीति को अलविदा कह दिया था। हैरी को मई 2018 में अग्न्याशय का कैंसर हो गया था और तभी से उनका इलाज चल रहा था।

ओमीक्रोन के कारणऑस्ट्रेलिया में नहीं थम रहा, कोरोना संक्रमण का कहर

सिडनी। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के कारण ऑस्ट्रेलिया में संक्रमण का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिसके मद्देनजर प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने मंत्रिमंडल की एक आपात बैठक बुलाई है। सिडनी और न्यू साउथ वेल्स के आसपास के क्षेत्रों में 11,000 से अधिक नए मामले सामने आए, जो एक दिन पहले सामने आए मामलों से 6000 अधिक हैं। वहीं, विक्टोरिया में भी रिकॉर्ड 3,700 नए मामले सामने आए, जो वहां एक दिन पहले आए मामलों से एक हजार अधिक हैं।

देश के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि सरकार अब बृहस्पतिवार को निर्धारित समय से पहले बैठक करेगी। मॉरिसन ने पत्रकारों से कहा, ओमीक्रोनके फैलने के साथ ही हम पर दबाव बढ़ता रहेगा। राज्य तथा क्षेत्र उन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी योजनाओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक में यह स्पष्ट हो पाएगा कि संक्रमितों का करीबी सम्पर्क किसे माना जाए और मामलों के अत्यधिक बढ़ने पर किस तरह से जांच की जाए।

अन्य राज्यों में भी मामले लगातार बढ़ रहे हैं। क्वींसलैंड में 1,500 से अधिक, साउथ ऑस्ट्रेलिया में 1,400, राजधानी क्षेत्र में 138 और तस्मानिया में 55 नए मामले सामने आए हैं। क्वींसलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इन मामलों में लगभग 80 प्रतिशत मरीज ओमीक्रोनह्व से संक्रमित हैं। वहीं, साउथ ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की कि वह अग्रिम मोर्च पर तैनात स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए ह्यबूस्टरह्व खुराक लेना अनिवार्य करेगा। राज्य के प्रमुख स्टीवन मार्शल ने कहा कि साउथ ऑस्ट्रेलिया अब अंतरराज्यीय यात्रा के लिए ह्यस्क्रीनिंग टेस्टह्व नहीं करेगा, क्योंकि अब उसके पास इतनी सुविधाएं नहीं हैं। मार्शल ने कहा, ओमीक्रोन बहुत तेजी से फैल रहा है। ऑस्ट्रेलिया के तीन-चौथाई से अधिक लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। ऐसे में यह नया स्वरूप कितना घातक साबित होगा, यह कहा नहीं जा सकता।

फ्रांस ने भड़काऊ भाषण की घटनाओं के बाद मस्जिद को बंद किया

पेरिस। फ्रांस ने भड़काऊ भाषण की घटनाओं के बाद देश की एक मस्जिद को बंद करने का आदेश दिया है।दरअसल उत्तरी फ्रांस के ब्यूवेस की मस्जिद के इमामों के उपदेश देने की कट्टरपंथी प्रकृति के कारण मस्जिद को बंद करने का फैसला किया है।पेरिस से करीब 100 किमी दूर स्थित 50,000 की जनसंख्या वाले ब्यूवेस कस्बे में बनी ये मस्जिद अगले 6 महीनों के लिए बंद रहेगी। वहां के उपदेश नफरत, हिंसा और जिहाद की रक्षा को उकसाते हैं, इसके बाद मस्जिद को कुछ समय के लिए बंद करने का फैसला लिया गया है।

गृह मंत्री गेराल्ड डारमैनिन ने दो सप्ताह पहले साइट को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की थी। डारमैनिन के मुताबिक वहां के इमाम अपने उपदेशों में ईसाइयों, समलैंगिकों और यहूदियों को निशाना बना रहे हैं।मंत्री ने कहा, अस्वीकार्य है। कानूनी तौर पर कार्रवाई करने से पहले स्थानीय अधिकारियों को 10 दिनों की सूचना एकत्र करने की शुरू करने के लिए बाध्य किया गया था, लेकिन मंगलवार को बताया कि मस्जिद अब दो दिनों के भीतर बंद होगी। मस्जिद के इमाम ने हाल ही में इस्लाम धर्म कबूल किया था।

सिंगापुर के मरीना बीच पर साल 2022 के स्वागत के लिए जमकर रोशनी की गयी है उसी के इंतजामों को देखते हुए लोग।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग चर्चा में

- केंद्रीय औषधि प्राधिकरण ने भारत में उपयोग के लिए दो और कोविड-19 रोधी टीकों को दी मंजूरी

वाशिंगटन । स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग चर्चा में है क्योंकि इस सप्ताह केंद्रीय औषधि प्राधिकरण (सीडीए) ने भारत में उपयोग के लिए दो और कोविड-19 रोधी टीकों कॉर्बेवैक्स और कोवोवैक्स तथा एंटीवायरल दवा मोलनुपिरवीर को मंजूरी दी है। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने एक ट्वीट में इसे भारत-अमेरिका स्वास्थ्य सहयोग का एक मॉडल बताया। संधू ने कहा ?कि भारत-अमेरिका के स्वास्थ्य सहयोग के मॉडल वैश्विक भलाई के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। टेक्सास चिल्ड्रन्स, बेलोर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के नेशनल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन के साथ काम कर रही भारतीय कंपनियों, बेलोर में नेशनल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन के प्रोफेसर एवं डीन डॉ. पीटर होटेज, टेक्सास चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल सेंटर फॉर वैक्सीन डेवलपमेंट, नोवावैक्स के सह-निदेशक मर्क एंड रिजबैक बायो ने भारतीय राजनयिक के ट्वीट को रिट्वीट किया। अक्टूबर में ह्यूस्टन की अपनी यात्रा के दौरान संधू ने प्रोफेसर होटेज से मुलाकात की थी और इस मुद्दे पर चर्चा की थी। इस साल जून में राजदूत ने मेरीलैंड में नोवावैक्स केंद्र का दौरा किया। उन्होंने सानीश्योर के सीईओ थॉमस हुक से भी बात की।

भीषण जंग की तैयारी में है अमेरिका? अपने रक्षा बजट में की भारी-भरकम बढ़ोतरी, चीन के खिलाफ 'बड़ी रणनीति' का किया आह्वान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

दुनिया की सबसे सुपर पावर अमेरिका जल, थल और वायु में सबसे खतरनाक हथियारों से सजी सेना है। दुनिया के सबसे घातक हथियारों से लैस अमेरिका एटम बम का भी इस्तेमाल कर चुका है। लेकिन अब अमेरिका अपनी इस ताकत को और ज्यादा बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसलिए अमेरिका ने अपने रक्षा बजट को और ज्यादा बढ़ाने का ऐलान किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) पर हस्ताक्षर कर उसे कानून की शक्ल दे दी। इस कानून के तहत रक्षा मदों पर खर्च के लिए 768.2 अरब डॉलर अधिकृत किए गए हैं, जिसमें 2022 के लिए रक्षा सेवाओं के सदस्यों के वेतन में 2.7 प्रतिशत बढ़ोतरी भी शामिल है।

अमेरिका के भारी-भरकम रक्षा बजट की खास बातें

दुनिया में हथियारों की दौड़ शुरू हो चुकी है। अमेरिका ने अपने रक्षा बजट में बड़ी बढ़ोतरी की है। 2022 में अमेरिका का रक्षा बजट 768.2 अरब डॉलर रखा गया। दुनिया में सिर्फ 17 देश हैं जिनकी जीडीपी इस रकम से ज्यादा है। ये बढ़ोतरी उस वक्त में हुई जब दुनिया की दो महाशक्तियां रूस और चीन से अमेरिका का तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका ने अपने रक्षा बजट में चीन के खिलाफ विशेष रणनीति बनाने की तैयारी की है। इसके लिए अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध में इस्तेमाल किए गए अपने नेवल बेस को और आधुनिक करने जा रहा है।

बाइडेन ने क्यों बढ़ाया रक्षा बजट

अमेरिका कभी यूक्रेन के लिए रूस से तो कभी ताइवान के लिए चीन से भिड़ने को तैयार रहता है। ईरान के खिलाफ भी अमेरिका सख्त है। अफगानिस्तान से भले ही अमेरिकी सैनिकों की विदाई हो गई हो लेकिन फिर भी इतने मोर्चों पर एक साथ नजर रखने के लिए अमेरिका अपने रक्षा बजट से कोई समझौता नहीं कर सकता।

चीन के दादागिरी पर लगाम

रूस से वैसे तो अमेरिका का तनाव दशकों पुराना है, लेकिन वर्तमान दौर में अमेरिका अपने लिए रूस से बड़ा खतरा चीन को मानता है। चीन के खिलाफ एक बड़ी रणनीति बनाने का आह्वाहन किया। बजट में चीन-रूस से प्रतिस्पर्धा को फोकस किया गया है। गुआम और वेक नेवल बेस से चीन व उत्तर कोरिया पर नजर रखा जाएगा। हिंद प्रशांत क्षेत्र में अभियान चलाने के लिए 7.1 अरब डॉलर का प्रावधान किया गया है। यह वही इलाका है जहां पर चीन लगातार दादागिरी दिखा रहा है।

पाकिस्तान मंत्री फवाद चौधरी ने कहा, तालिबान की चरमपंथी सोच हमारे लिए खतरा

इस्लामाबाद (एजेंसी)

तालिबान और पाकिस्तान की दोस्ती में दरार पड़ चुकी है।अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के लिए पाकिस्तान ने जिस तालिबान को हथियार और ट्रेनिंग देकर आगे बढ़ाया था, अब वहीं तालिबान उसके लिए गले की फांस बन गया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने तालिबान हुकूमत के उन फैसलों की आलोचना की है, जिसमें महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं।फवाद चौधरी ने इस पिछड़ी सोच को पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है।चौधरी ने कहा, चरमपंथी सोच हमारे लिए खतरा है।हमें जिन्ना का पाकिस्तान वापस चाहिए।

फवाद चौधरी ने कहा, हम अफगानिस्तान की मदद करना चाहते हैं, लेकिन तालिबान की चरमपंथी सोच है।इसकारण महिलाएं अकेले सफर नहीं कर सकतीं, स्कूल नहीं जा सकतीं, कॉलेज नहीं जा सकतीं, यह पुरानी सोच पाकिस्तान के लिए खतरा है। पाकिस्तान की असली लड़ाई चरमपंथ के खिलाफ है।

जिन्ना का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा, मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान को एक इस्लामी मुल्क बनाना चाहते थे, मजहबी मुल्क नहीं।मौलाना अबुल कलाम आजाद के सामने जिन्ना का मजहबी इल्म कुछ नहीं था। अगर पाकिस्तान को एक मजहबी मुल्क बनाना होता,तब फिर इसकी तहरीक मौलाना लोग चलाते, जिन्ना बहुत मॉर्डन थे। आज उनके नाम पर कुछ लोग मुल्क को पीछे ले जाना चाहते हैं। कायद-ए-आजम का पाकिस्तान वापस पाना हमारे लिए असली चुनौती है।

बांग्लादेश बैंक की घोषणा, विदेशी कामगार अपनी सारी कमाई विदेश भेज सकते

ढाका (एजेंसी)

बांग्लादेश ने अपनी मौद्रिक नीति में एक बड़े बदलाव की घोषणा की हैं। देश के सेंट्रल बैंक-बांग्लादेश बैंक ने ऐलान किया कि बांग्लादेश में जो विदेशी काम करते हैं,अब वे टैक्स देनदारियां पूरी करने के बाद अपनी सारी कमाई विदेश भेज सकते है। ऐसा वे हर महीने कर सकते है। बैंक के सर्कुलर में कहा गया है कि बांग्लादेश में पैसा कमाने वाले विदेशी नागरिक अब हर महीने अपनी कमाई का 80 फीसदी तक हिस्सा विदेश भेज पाएंगे। बाकी 20 फीसदी हिस्सा उनकी आमदनी पर बना इनकम टैक्स है, जो वित्त वर्ष के अंत में उन्हें जमा कराना होगा। अपनी रकम विदेश भेजने के पहले विदेशी नागरिकों को टैक्स अधिकारियों से जरूरी प्रमाणपत्र हासिल करना होगा। विश्लेषकों के मुताबिक बांग्लादेश बैंक ने हाल में अपनी नीति में दो महत्त्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब हर महीने बाहर भेजी सकने वाली रकम की सीमा बढ़ा दी गई है। इसके पहले यह अहम बदलाव किया गया था कि बांग्लादेश में रोजगार या कारोबार करने करने वाले लोग किसी भी देश में अपनी कमाई को भेज सकते हैं। उसके पहले तक नियम यह था कि बांग्लादेश में कमाई गई रकम सिर्फ उसी देश को भेजी जा सकती थी, संबंधित व्यक्ति जहां का मूल निवासी है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में ढाई लाख से ज्यादा विदेशी बांग्लादेश में काम कर रहे हैं।उनमें कई वे विदेशी भी हैं, जो गैर कानूनी ढंग से यहां आकर रोजगार कर रहे हैं। गैर-सरकारी संस्था ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल ने फरवरी 2020 में जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि गैर कानूनी ढंग से बांग्लादेश में रहने वाले विदेशी हर साल 26,400 टका की रकम विदेश भेज रहे हैं।रिपोर्ट में कहा गया था कि इस रूप में रकम विदेश जाने की वजह से बांग्लादेश सरकार को हर साल 12 हजार करोड़ टका की कर आय का नुकसान होता है।फिलहाल बांग्लादेश में 44 देशों के नागरिक काम कर रहे हैं। ये 20 प्रकार के कारोबार में नियमित या अनियमित रूप से कमाई करते हैं।

यूके, फ्रांस, इटली और ब्राजील में कोरोना ने मचाया हाहाकर

लंदन (एजेंसी)

ब्रिटेन में कोरोना का कहर जारी है।यहां पिछले 24 घंटे में कोरोना के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए हैं। मंगलवार को 129,471 नए कोरोना केस की पुष्टि हुई है। इस दौरान से 143 लोगों की मौत भी हुई। पिछली बार कोरोना के सबसे ज्यादा केस 24 दिसंबर को मिले थे।इस दिन कोरोना के 122,186 केस दर्ज हुए थे। ब्रिटेन में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के संक्रमण की वजह से अस्पताल में मरीजों के भर्ती होने की दर 53 प्रतिशत हो गई है। लंदन के अस्पतालों में सबसे ज्यादा ओमिक्रॉन के मरीज भर्ती हो रहे हैं।इसी कड़ी में पीएम बोरिस जॉनसन ने कोरोना को लेकर नई पाबंदिया नहीं लागू करने की बात कही थी।इसके बाद यहां कोरोना केस में इजाफा हुआ।

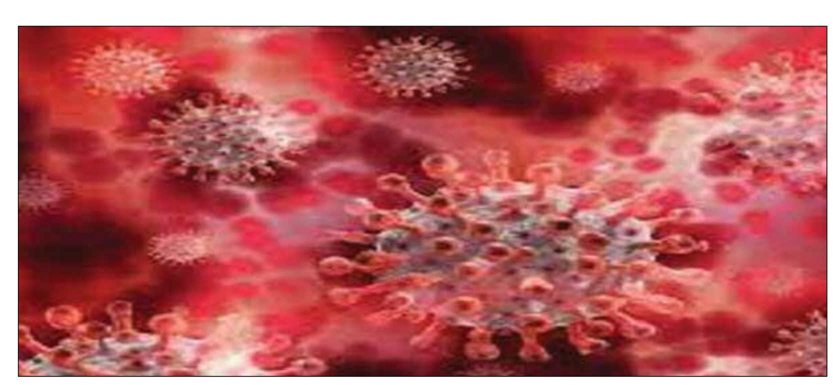

यूरोप में कोरोना संक्रमणों की संख्या एक नए स्तर पर पहुंच गई है, क्योंकि फ्रांस ने पिछले 24 घंटों में लगभग 1,80,000 कोरोना मामलों का रिकॉर्ड दर्ज किया है।राष्ट्रीय एजेंसी का हवाला देकर कहा कि पिछले 24 घंटों के भीतर फ्रांस में कोरोना संक्रमितों के 1,79,807 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जो कि महामारी की शुरूआत के बाद से एक रिकॉर्ड उच्च संख्या है।फ्रांस में पिछले एक सप्ताह में वायरस से 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे देश में कुल मौत का आंकड़ा 122,000 से अधिक हो गया।

लगातार तीन दिन तक रिकॉर्ड मामले सामने आने के बाद इटली में रविवार को एक दिन के भीतर 24,883 नए मामले सामने आए हैं।ये संख्या एक दिन पहले सामने आए 54,762 मामलों से कम रही। इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को 54,762 नए मामले सामने आए हैं।जबकि एक दिन पहले 50,599 मामले आए।मंत्रालय ने कुल कोरोना मामलों के लगभग एक तिहाई (28 प्रतिशत) के लिए ओमिक्रॉन को जिम्मेदार बताया है।

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिजीज के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका में कोविड के चलते अस्पताल में भर्ती लोगों की संख्या रविवार को बढ़कर 9,114 हो गई। पॉजिटिविटी दर भी एक दिन पहले के 25.7 फीसदी से बढ़कर 27.2 फीसदी हो गई है।नए मामलों में सबसे ज्यादा (28 फीसदी) पश्चिमी केप प्रांत में दर्ज हुए हैं।

राष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ब्राजील ने मंगलवार को कोरोना के 8,430 मामले दर्ज किए गए।वहीं रिपोर्ट के अनुसार वायरस के कारण 171 मरीजों की मौत हो गई।वहीं दक्षिण अमेरिकी देश ने वायरस के अब कुल 618,705 लोगों की मौत हो चुकी है।जबकि अबतक 22,254,706 लोगों इस वायरस के चपेट में आ चुके हैं।

इमरान और सेना के बीच संबंध पहले जैसे नहीं, खैबर पख्तूनख्वा में पार्टी की हार इसका कारण

इस्लामाबाद (एजेंसी)

इमरान सरकार और सेना के बीच संबंध पहले जैसे नहीं हैं, इसकारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की खैबर पख्तूनख्वा के स्थानीय चुनावों में हार के बाद से यह चर्चा जोरों पर है। इमरान को पीएम का पद सेना की मदद से ही मिला था और माना जाता है कि दोनों के बीच करार हुआ था कि वे किन मसलों पर दखल दे सकते हैं। इस सत्ता का हाइब्रिड मॉडल कहा गया था, लेकिन अब यह विश्वास की कमी के चलते टूटता दिख रहा है।सेना और आईएसआई का इमरान पर अब पहले की तरह विश्वास नहीं दिख रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा में हार के पीछे सेना से बिगड़ते संबंध भी एक वजह हैं। इमरान को पहले से हार का डर सता रहा था, लेकिन उससे कहीं ज्यादा झटका लगा है। इस साल की शुरूआत से ही इमरान खान और सेना के बीच संबंध बिगड़ने लगे थे।बताया जा रहा है कि सेना ने ही इमरान की पार्टी पीटीआई के उम्मीदवारों के खिलाफ माहौल बनाने का काम किया था। इमरान और सेना के बीच तनाव का यह दूसरा राउंड था। इससे पहले नए आईएसआई चीफ की नियुक्ति को लेकर भी इमरान और सेना के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

सेना प्रमुख आईएसआई के चीफ को बदलना चाहते थे।सेना ने लेफ्टिनेंट फैज हमीद की जगह पर लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम का नाम घोषित किया था।इस इमरान के लिए झटका बताया जा रहा था क्योंकि फैज हमीद इमरान खान के करीबी माने जाते थे। सेना की ओर से लिए गए इस एकतरफा फैसले से इमरान खान को झटका लगा और बदले में वह लंबे समय तक सिफारिश को दबाए बैठे रहे। उनकी ओर से नियुक्ति को मंजूरी न दिए जाने तक तमाम कयास लगते रहे।पीएम इमरान के पास दो विकल्प थे, उस सिफारिश को स्वीकार करना या फिर खारिज करना। इमरान खान सेना से लड़ने की स्थिति में नहीं थे।इसकारण उन्होंने तीसरा विकल्प चुना और सिफारिश पर मुहर लगाने में देरी की। इससे साफ हो गया था कि इमरान के रिश्ते जनरल कमर जावेद बाजवा से पहले जैसे नहीं रह गए हैं। इमरान खान की ओर से फैसले में देरी को सेना ने अपने अपमान के तौर पर देखा, लेकिन शांत रही। इसके जवाब में सेना ने खैबर पख्तूनख्वा के चुनाव में अपनी भूमिका अदा की।इमरान की पार्टी की चुनाव में हार के तमाम कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे अहम यही है कि सेना ने 2018 की तरह इस बार अपनी ओर से कोई प्रयास नहीं किए।

रूस के सुप्रीम कोर्ट ने मानवाधिकार संगठन पर रोक लगाने का आदेश दिया

मास्को । रूस के सुप्रीम कोर्ट ने देश के सबसे पुराने एवं प्रमुख मानवाधिकार संगठन पर रोक लगाने का आदेश दिया। जनता में आदेश को लेकर नाराजगी है।इस मानवाधिकार कार्यकताओं, स्वतंत्र मीडिया एवं विपक्षी समर्थकों के विरूद्ध महीनों से की जा रही दमनात्मक कार्रवाई की अगली कड़ी बताया जा रहा है। महाभियोजक कार्यालय ने मानवाधिकार संगठन मेमोरियल का कानूनी दर्जा निरस्त करने के लिए पिछले माह शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। मेमोरियल एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन है,जिसने सोवियत संघ के दौर में राजनीतिक दमन पर अपने अध्ययन को लेकर ख्याति पाई थी। फिलहाल देश-विदेश में उसके अंतर्गत 50 से अधिक छोटे संगठन आते हैं। अदालत ने अभियोजन के पक्ष में व्यवस्था दी।अभियोजन पक्ष ने सुनवाई के दौरान आरोप लगाया था कि मेमोरियल 'सोवियत संघ की आतंकवादी राज्य की गलत छवि गढ़ता है, तथा नाजी अपराधियों की करतूतों पर पर्दा डालकर कर उनका पुनर्वास करता है।'

मेमोरियल को 2016 में 'विदेशी एजेंट' घोषित किया गया था। यदि किसी संस्था को विदेशी एजेंट घोषित कर दिया जाता है,तब सरकार उस पर कड़ी निगाह रखकर उसके कामकाज की अतिरिक्त समीक्षा की जाती है जिससे संबंधित संगठन की साख गिरती है। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि संगठन ने नियमों का उल्लंघन किया जो विदेशी एजेंट घोषित होने के बाद किसी संगठनों को पालन करने चाहिए और संबंध में अपनी पहचान को भी छिपाया। मेमोरियल और उसके समर्थकों ने सरकार के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया।संगठन के नेताओं ने अदालत के रोक लगाने के आदेश के बाद भी अपनी गतिविधियां जारी रखने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। रूस पर पहले भी कई बार मानवाधिकार कार्यकताओं और विपक्षी नेताओं के दमन का आरोप लग चुका है। अमेरिका और नाटो जैसे संगठन अक्सर इस बाबत अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं।

एक नजर

सरकार व्यापारियों के दो महीने के फिक्स चार्ज माफ करे : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों की चिंता छोड़ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुनावी पर्यटन में व्यस्त हैं। इसके चलते दिल्ली का हर नागरिक एवं व्यापारी वर्ग परेशान है। यह बात दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने गुरूवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने कोरोना की मार पहले ही झेल रहे व्यापारी वर्ग के ऊपर फिक्सड् चार्ज का बोझ थोपा है। जिसकी वजह से दिल्ली का हर व्यापारी परेशान है। इसलिए केजरीवाल से हमारी मांग है कि पिछले दो महीने का बिल माफ किया जाए और कोरोना काल में जो भी अतिरिक्त बिल लिया गया उसे वापस किया जाए। आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार पहले ही फिक्सड् चार्ज के माध्यम में अतिरिक्त वसूली कर रही है। पूरी दिल्ली में कुल बिजली की खपत 7500 मेगावाट है लेकिन सरकार 22700 मेगावाट की वसूली की है। पिछली बार फिक्सड् चार्ज के माध्यम से सरकार ने 150 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली की थी लेकिन कोरोना की तैयारियों को लेकर कोई जिम्मेदारी नहीं है। चुनावी पर्यटन में व्यस्त आम आदमी पार्टी के नेता इतने मशगूल हैं कि दिल्ली में कोरोना की क्या स्थिति है यह उनके स्वास्थ्य मंत्री को पता तक नहीं है। ऐसे में यह कोरोना से बचने के लिए क्या उपाय करेंगे इसकी कल्पना मात्र से ही डर लगता है। उन्होंने कहा कि इस समय दिल्ली में और 11000 बसों की जरूरत है लेकिन केजरीवाल सरकार उसपर कोई ध्यान नहीं दे रही है। जिसका खामियाजा लोग बसों के घण्टों इंतजार करने के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े होकर भुगत रहे हैं।

निकले थे काम पर जाने के लिए, पहुंच गए हवालात

दिल्ली में बे-बस यात्रियों का हंगामा, लाठीचार्ज

■ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए बसों में घटाई गई यात्रियों की संख्या के कारण सड़कों पर बवाल होने लगा है। हालात यह हैं कि गुरुवार को संगम विहार के हमदर्द के पास पुलिस को यात्रियों पर लाठीचार्ज करना पड़ा। दरअसल, सुबह करीब 8 बजे यहां हर रोज की तरह यात्रियों की संख्या बढ़ती गई। काफी देर तक जब यात्रियों को बसों में बैठने का मौका नहीं मिला तो परेशान होकर उन्होंने सड़कों पर जाम लगा दिया। साथ ही यात्री और बस मार्शल के बीच तीखी झड़प भी शुरू हो गई। काफी देर तक यह मामला चलता रहा। इसी दौरान मौके पर पुलिस भी पहुंच गई और उन्होंने बल का प्रयोग कर यात्रियों को मौके से हटाया। इसपर गुस्साए लोगों ने कई बसों में तोड़फोड़ भी कर दी। यहां मौजूद एक यात्री ने बताया कि लोग सुबह से बसों का इंतजार कर रहे थे, लेकिन बसों में 17 यात्री होने के कारण कोई बस नहीं रुकी जिससे सभी परेशान हो गए। बाद में जब लोगों ने प्रदर्शन किया तो पुलिस उन्हें उठाकर हवालात ले गई। वहीं एक महिला ने बताया कि वह सुबह 6:30 बजे से बस स्टॉप पर खड़ी थी, लेकिन साढ़े 8 बजे तक भी उन्हें बस में चढ़ने का मौका नहीं मिला। ऐसे में वह समय पर दफ्तर कैसे पहुंचेगी। वहीं निजी वाहन वाले ज्यादा पैसे वसूल रहे हैं। वहीं इस घटना के संबंध में दक्षिण जिले की डीएम ने बताया कि पुलिस द्वारा सूचना दी गई कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे पुलिस कॉल मिली थी। इसमें बताया गया कि कुछ लोगों ने जामिया हमदर्द, एमबी रोड को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और वहां से लोगों को हटाया। यहां पर कुछ लोग सड़क पर ही बैठकर प्रदर्शन करने लगे थे। जब उन्हें समझाया गया तो उन्होंने 4-5 बसों को नुकसान पहुंचाया। ऐसे में उन्हें रोकने के लिए लेडी पुलिस को भी बुलानी पड़ी। पुलिस ने किसी पर लाठी चार्ज नहीं किया। इस घटना में एक पुलिस कर्मी घायल हुआ है। पुलिस इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई कर रही है।

महिलाओं को नहीं बैठा रहे बस वाले

बसों में 17 यात्रियों को बैठने के फैसले के बाद महिलाओं को ज्यादा समस्या हो रही है। महिलाओं का आरोप है कि बस वाले महिलाओं को देखकर बस रोकते ही नहीं है। उनका आरोप है कि महिलाएं फ्री में सफर करती हैं, यही कारण है कि वह पहले पुरुषों को बैठाते हैं, जबकि पहले महिलाओं को बैठाया जाना चाहिए। वहीं अन्य लोगों ने कहा कि पीक आवर के दौरान बसों में यात्रियों की संख्या को बढ़ाना चाहिए। सभी लोग 17 यात्री के नियम से परेशान हो गए हैं।

मेट्रो के लिए लग रही लंबी लाइनें

डीडीएमए के नए नियमों के बाद दिल्ली मेट्रो के लगभग सभी मेट्रो स्टेशनों के बाहर 500 से एक किलोमीटर लंबी लाइनें लग रही है। सबसे ज्यादा समस्या पीक आवर के दौरान आ रही है। मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों का कहना है कि कोरोना के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए केवल मेट्रा के अंदर ही भीड़ को रोकने से काम नहीं चलेगा, बल्कि मेट्रो स्टेशन के बाहर भी भीड़ को काबू करना होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी स्टेशनों पर सुबह घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। यहां भारी भीड़ हो रही है। यदि इनमें कोई एक भी संक्रमित होता है तो सभी उसकी चपेट में आते हैं। भीड़ के कारण स्टेशन के बाहर सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ रही है। यात्रियों ने कहा कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा ही नहीं है। मेट्रो ही सबका सहारा है ऐसे में मेट्रो ट्रेनों को बढ़ाना चाहिए जिससे ज्यादा यात्रियों को मौका मिल सके।

देश के अन्य निगमों की तरह दिल्ली नगर निगमों को भी फंड दे केंद्र सरकार: सिसोदिया

जीएसटी कंपनसेशन को आगे बढ़ाने की मांग

■ नई दिल्ली

दिल्ली की केजरीवाल सरकार की केंद्र से मांग की है कि वह देश के अन्य निगमों के लिए आवंटित फंड में से दिल्ली के नगर निगमों को भी फंड मुहैया करे। दिल्ली नगर निगमों पर यह जिम्मेदारी है कि वो देश के राजधानी को साफ सुथरा रखे। राजधानी किसी देश के चेहरे की तरह होती है लेकिन आज दिल्ली के नगर निगम फंड की कमी से जूझ रहे हैं। इसलिए केंद्र सरकार जिस तरह से देश के अन्य नगर निगमों को फंड मुहैया कराती है वैसे ही दिल्ली नगर निगमों को भी फंड मुहैया करे। यह कहना है दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया का। उन्होंने यह बातें देश भर के वित्त मंत्रियों की बुधवार को आयोजित बैठक में कहीं। उन्होंने इस बैठक में दिल्ली की 6 महत्वपूर्ण मांगें रखी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन से दिल्ली सहित सभी राज्यों की आर्थिक व्यवस्था पर भारी असर पड़ा है इसलिए केंद्र सरकार जीएसटी कंपनसेशन को आगे बढ़ाए। साथ ही पिछले 21 साल से केंद्रीय टैक्स में से दिल्ली को सिर्फ 325 करोड़ रुपए मिलता रहा है अब जरुरत है कि केंद्र सरकार इसमें बढ़ोतरी करे। उन्होंने कहा कि आज से 21 साल पहले सेंट्रल असिस्टेंट दिल्ली के बजट का 5.14 हुआ करता था जो अब घटकर 0.9 फीसदी हो गया है। सिसोदिया ने कहा कि हमने गृह मंत्री को अलग से पत्र लिखकर दिल्ली को 1925 करोड़ की केंद्रीय सहायता मुहैया करने का अनुरोध किया है। दिल्ली को फंड आवंटन में व्यापक विसंगतियां हैं उसे केंद्र सरकार दूर करे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण को दूर करने के लिए केजरीवाल सरकार की ई- व्हीकल पॉलिसी लेकर आई है। लेकिन ये तभी सफल होगी जब हम ज्यादा से ज्यादा चार्जिंग प्वाइंट बनाएंगे।

लेकिन दिल्ली सरकार के पास जमीन नहीं है। जमीन डीडीए के पास है। तो इसमें केंद्र सरकार मदद करे और डीडीए चार्जिंग प्वाइंट बनाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था में अच्छा योगदान दे रही है। 2020-21 में करंट प्राइसेस पर दिल्ली की जीएसडीपी नेशनल जीडीपी का 4.04 परसेंट रहा है। जबकि दिल्ली की आबादी देश की आबादी का 1.49 फीसदी है। राज्य सरकार की मार्केट फ्रेंडली नीति, हेल्थ और एजुकेशन जैसे सोशल सेक्टर में इन्वेस्टमेंट की वजह से दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय में भी काफी सुधार हुआ है। इस वक्त दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 3 लाख 54 हजार रुपए है। जो कि राष्ट्रीय औसत का 3 गुना है।

गोल मार्केट में सेवा भारती बोर्ड की शुरुआत

■ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने गुरूवार को नई दिल्ली के गोल मार्केट नई दिल्ली में सेवा भारती बोर्ड का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपाध्याय ने सेवा भारती के दूरदर्शी दृष्टिकोण के बारे में विस्तार करते हुए कहा कि सेवा भारती समाज सेवा पृष्ठभूमि और सरकारी क्षेत्र के लोगों की मदद से समाज के अति कमजोर समूह के स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और शिक्षा का उत्थान करना है। उन्होंने सेवा भारती को कोविड 19 महामारी लॉकडाउन अवधि के दौरान निरंतर मदद के लिए धन्यवाद भी दिया। इस दौरान सेवा भारती के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने बताया कि सेवा भारती एक गैर लाभकारी संगठन है, जिसकी स्थापना बालासाहेब देवरस ने वर्ष 1979 में की थी। सेवा भारती दिल्ली आदिवासी और स्वदेशी समुदायों, शहरी झुग्गी-झोपड़ियों और पुनर्वास कॉलोनियों, सेवा बस्तियों सहित भारतीय समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच काम करती है। इस अवसर पर उपाध्याय ने सेवा भारती बोर्ड लगाने में कार्य करने वाले मजदूरों व अन्य कर्मचारियों को सम्मानित किया।

आईपी के छात्रों को मिली हना स्कॉलरशिप

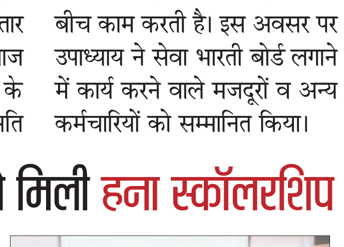

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के 23 स्टूडेंट्स को साउथ कोरिया के मशहूर बैंक हना बैंक द्वारा दिए जाने वाले 2021 हना स्कॉलरशिप दिया गया। स्कॉलरशिप के रूप में प्रत्येक को पांच सौ अमेरिकन डॉलर की राशि दी गई। यह स्कॉलरशिप यूनिवर्सिटी में आयोजित एक प्रोग्राम में दी गई। इस प्रोग्राम के मुख्य अतिथि दिल्ली के मुख्य सचिव डॉक्टर विजय कुमार देव थे। इस दौरान हना बैंक के कंट्री हेड, यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार शैलेंद्र सिंह परिहार, छात्र कल्याण निदेशक प्रो. मनप्रीत कांग उपस्थित थे। सात स्टूडेंट्स को पास होने के बाद करियर में उल्लेखनीय सफलता मिलने के लिए सम्मानित किया गया।

बसेरों में रैन, सुविधा नदारद

कहीं क्षमता से हैं ज्यादा भरे, तो कहीं खाली पड़े रहते हैं नाइट शेल्टर

01

02
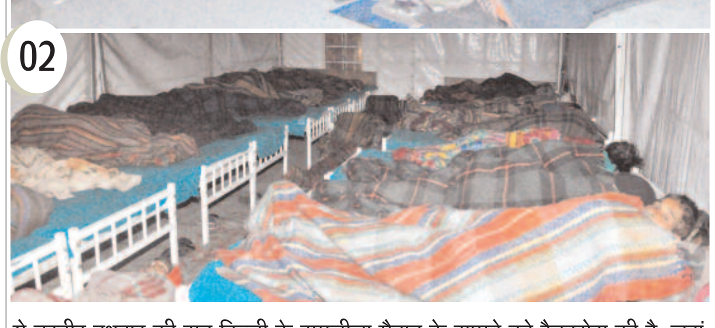

ये तस्वीर बुधवार की रात दिल्ली के रामलीला मैदान के सामने बने रैनबसेरा की है, जहां पर बेघर लोगों को ठंड से बचाने के लिए खास इंतजाम किए गए है।

■ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में इस वक्त हाड़ कंपा देने वाली सर्दी लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। ऐसे में बिना छत के सर्द रातें गुजारना बेहद मुश्किल भरा है। हमारे बीच बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनके पास सिर छुपाने के लिए छत तक नहीं होती, जो खुले आसमान के नीचे यह सर्द रातें गुजारने के लिए मजबूर होते हैं। हालांकि, सरकार रैन बसेरों के रूप में हर साल ऐसे लोगों के लिए सिर छुपाने का इंतजाम करती है, बावजूद इसके दिल्ली की सड़कों पर ऐसे हजारों लोग मिल जाएंगे जो खुले आसमान के नीचे यह सर्द रातें गुजारने के लिए मजबूर होते हैं। जिसके चलते हर साल कई लोगों की मौत भी हो जाती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर कमी कहां है। क्यों हर साल खुले में सड़क पर सो रहे लोगों की या तो ठंड या फिर किसी हादसे में मौत हो जाती है। बात साल 2011 की जनगणना की कि जाए तो इसके अनुसार दिल्ली के 221 रैनबसेरों की आधिकारिक क्षमता लगभग 17 हजार है जो कि राजधानी की आधी बेघर आबादी के लिए काफी कम हैं।

वहीं रैनबसेरों में बदइंतजामी से बेघरों की दिक्कतें ज्यादा बढ़ जाती हैं। ऐसे रैन बसेरे भी बड़ी संख्या में हैं जहां क्षमता के हिसाब से सुविधाओं की बेहद कमी है। इसके अलावा व्यवस्था में कमी के चलते कहीं क्षमता से ज्यादा लोग रैन बसेरों में सोते हैं तो कई नाइट शेल्टर खाली पड़े रहते हैं। पिछले करीब 1 महीने से नाइट शेल्टर होम में रह रहे अजय कुमार ने बताया कि वह बिहार से काम के सिलसिले में दिल्ली आए थे, लेकिन पिछले करीब 1 महीने से काम नहीं है, वह दिव्यांग है और पहले एक कंपनी में गार्ड की नौकरी करते थे, लेकिन लॉकडाउन के चलते नौकरी चली गई। जिसके बाद रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं था। इसीलिए वह इस शेल्टर होम में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी सुविधाएं यहां पर हैं, ठंड से बचाव के लिए कंबल भी दिए जा रहे हैं, साथ ही पीने के लिए गर्म पानी की भी व्यवस्था है। हालांकि नहाने के लिए गर्म पानी की व्यवस्था नहीं है। वहीं, पिछले 1 साल से दिल्ली में रह रहे रामू ने बताया कि करीब 4 महीनों से वह इस नाइट शेल्टर में अपना गुजर-बसर कर रहे हैं। शाम को 5 बजे करीब वह इस नाइट शेल्टर में आ जाते हैं। दिन में अगर कोई काम मिल जाता है, तो वह काम कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि सर्दियों में ठंड से बचाव के लिए नाइट शेल्टर में अच्छे इंतजाम है, कंबल बिस्तर की अच्छी व्यवस्था है, दो वक्त का खाना भी मिल जाता है।

क्या हैं रैन बसेरों में इंतजाम

03

दिल्ली में बेघरों के मदद के लिए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की तरफ से करीब 209 स्थाई नाइट शेल्टर यानी रेन बसेरे चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा 190 रैन बसेरे टैंटों में भी चल रहे हैं। जहां पर बेघर लोगों के रहने की और इन सर्द रातों में रुकने की व्यवस्था की गई है। इस ठिठुरती सर्दी में इन रैन बसेरों में बचाव के लिए क्या कुछ इंतजाम है, यह जानने के लिए टीम विराट वैभव ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, कश्मीरी गेट, आसिफ अली रोड, जीबी पंत अस्पताल के पास बने नाइट शेल्टर होम में पहुंची। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास बने 18 लोगों की क्षमता वाले नाइट शेल्टर में 37 लोग सोते हुए मिले। वहीं, इसके विपरीत आसिफ अली रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने बने 16 लोगों की क्षमता वाले अस्थाई शेल्टर में मात्र 14 लोग सोते हुए मिले। जबकि, डूसिब द्वारा संचालित इन नाइट शेल्टरों के अलावा भी लोग डिवाइडर, पटरी आदि पर खुले में सोत हुए मिले। इस दौरान हमदर्द चौक पर डिवाइडर पर सो रहा एक व्यक्ति किसी वाहन की चपेट में आ गया। जिसके चलते मौके पर ही उसकी मौत हो गई। कुछ वक्त बाद पुलिस उसके शव को उठाकर एम्बुलेंस में ले गई। वहीं, दूसरी ओर जीबी पंत अस्पताल के पास बने नाइट शेल्टर के केयरटेकर विकास कुमार और मोहम्मद सुफियान ने बताया कि फिलहाल यहां बने दो अस्थाई और एक स्थाई शेल्टर 20 और 16 लोगों के रुकने की व्यवस्था की हुई है। उन्होंने बताया कि लोगों के लिए बिस्तर, कंबल, दो टाइम का खाना, नहाने, पीने के पानी आदि चीजों की व्यवस्था इस शेल्टर होम में की गई है। सुबह करीब 12 बजे और रात को 8 बजे खाना दिया जाता है।

दिल्ली में आ रहे कोरोना के मामलों में 54 फीसद ओमीक्रोन वेरिएंट से संक्रमित: जैन

■ नई दिल्ली

दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे ओमीक्रोन के मामलों के बारे में जानकारी देते हुए गुरुवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि जिनोम सीक्वेंसिंग से पता लगा है कि दिल्ली में कोरोना पॉजिटिव आ रहे 54 फीसद मामले ओमिक्रोन वेरिएंट से संबंधित हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी के अस्पतालों में भर्ती 200 मरीजों में से केवल 102 दिल्ली के रहने वाले लोग हैं, बाकी 98 दिल्ली से बाहर के हैं। फिलहाल सभी ओमिक्रोन के मरीजों को दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया गया है। दिल्ली सरकार ने 4 जगहों पर (टेरपंथ भवन, सरदार पटेल कोविड केयर सेंटर, कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज और आईबीआईएस होटल) स्टेप-डाउन कोविड केयर सेंटर खोलने का फैसला लिया है। सरकार लगातार बढ़ रहे मामलों पर पैनी नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों की टीम लगातार हालात की जानकारी दिल्ली सरकार के साथ साझा कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ओमीक्रोन से घबराने की नहीं, बल्कि सावधानी बरतने की जरूरत है। सभी लोग मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले ओमीक्रोन वेरिएंट कम घातक प्रतीत हो रहा है।

डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले ओमीक्रोन वेरिएंट कम घातक: मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि डीडीएमए की मीटिंग में शामिल एक्स्पर्ट्स के मुताबिक डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले ओमीक्रोन वेरिएंट कम घातक प्रतीत हो रहा है। इसमें मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने कि ज़रूरत नहीं पड़ रही है। अस्पताल में भर्ती मरीजों में से किसी भी मरीज को फिलहाल ऑक्सीजन लगाने की जरूरत नहीं पड़ी है।

राजस्व | स्क्रैप की बिक्री में 93.40 प्रतिशत की वृद्धि

उत्तर रेलवे ने स्क्रैप की बिक्री से 402.5 करोड़ रुपए अर्जित किए

■ नई दिल्ली

गंगल ने कहा कि स्क्रैप का निपटान एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। स्क्रैप से राजस्व अर्जित करने के अतिरिक्त यह कार्य-परिसरों को साफ-सुथरा भी रखने में मदद करता है।

उत्तर रेलवे ने स्क्रैप की बिक्री में रिकॉर्ड बनाते हुए इससे 402.51 करोड रुपए का राजस्व अर्जित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में अर्जित किए गए 208.12 करोड रुपए की बिक्री से 93.40 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर रेलवे ने सितंबर में 200 करोड रुपए, अक्टूबर में 300 करोड रुपए और दिसंबर, 2021 में 400 करोड रुपए के स्क्रैप बिक्री आंकड़ों को लांघते हुए सभी क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाईयों में पहला स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर रेलवे ने नवंबर 2021 में रेलवे बोर्ड द्वारा दिए गए 370 करोड़ रुपए के स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को हासिल किया है। उत्तर रेलवे अन्य क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाईयों की तुलना में सबसे आगे है। गंगल ने कहा कि स्क्रैप का निपटान एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। स्क्रैप से राजस्व अर्जित करने के अतिरिक्त यह कार्य-परिसरों को साफ-सुथरा भी रखने में मदद करता है। रेलवे लाइनों के आस-पास रेल पटरी के टुकड़ों, स्लीपरों, टाईबारों इत्यादि के पड़े रहने से संरक्षा जोखिम रहता है। इसी प्रकार उपयोग में न लाए जा रहे ढांचों जैसे पानी की टंकियों, केबिनों, क्वार्टरों और अन्य निर्माणों के दुरुपयोग की भी संभावना रहती है। इनका त्वरित निपटान सदैव प्राथमिकता पर किया जाता रहा है और उच्च स्तर पर इसकी निगरानी भी की जाती है। स्क्रैप, पीएससी स्लीपरों, जोकि उत्तर रेलवे पर बड़ी मात्रा में एकत्रित हैं, का निपटान किया जा रहा है ताकि राजस्व अर्जित करने के साथ-साथ रेल गतिविधियों के लिए रेल भूमि खाली रहे। उत्तर रेलवे जीरो स्क्रैप स्टेटस हासिल करने और इस वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक स्क्रैप बिक्री रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए मिशन मोड में कार्य करते हुए अपने परिसरों को स्वच्छ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

सियासी संतुलन

हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी तथा जननायक जनता पार्टी की साझा सरकार का 26 माह बाद मंगलवार को मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया, जिसमें दो नये चेहरे शामिल किये गये। चंडीगढ़ स्थित राजभवन में आयोजित इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। नववर्ष से पहले जिन दो विधायकों को मंत्रिपद का तोहफा मिला, उनमें हिसार से भाजपा के विधायक डॉ. कमल गुप्ता और टोहाना से जजपा विधायक देवेंद्र बबली शामिल हैं। यूं तो कई अन्य विधायक भी मंत्री पद के लिए भागदौड़ कर रहे थे, लेकिन लाटरी इन दोनों की ही खुली। इस बीच कुछ विधायक दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं से भी मिले थे। वैसे भी लंबे समय से कयास लगाये जा रहे थे कि मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। दरअसल, बीते माह उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भी मंत्रिमंडल विस्तार की उम्मीद जतायी थी। बताते हैं इस मंत्रिमंडल विस्तार के मूल में जजपा के टोहाना से पार्टी विधायक देवेंद्र बबली को मंत्रिमंडल में शामिल करने का दबाव भी था। ऐसा माना जा रहा है कि हरियाणा के किसान आंदोलन से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य होने के चलते भी शायद मंत्रिमंडल विस्तार में देरी हुई। डॉ. कमल गुप्ता की हाईकमान के नेताओं से मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल विस्तार के कयास लगाये जा रहे थे। उनके समर्थकों में भी गुप्ता के मंत्री बनाये जाने की खासी सुगबुगाहट थी। डॉ. कमल गुप्ता संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। दरअसल, कमल गुप्ता न केवल संघ बल्कि भाजपा प्रदेश नेतृत्व की भी पसंद रहे हैं। उनकी वैश्य समाज में खासी प्रतिष्ठा रही है। उन्हें एक मुखर वक्ता के रूप में जाना जाता है। वैसे भी वैश्य समाज में फिक्र रही है कि मनोहर मंत्रिमंडल में अभी तक वैश्व समुदाय को प्रतिनिधित्व नहीं मिला। ऐसे में मंत्रिमंडल विस्तार से पार्टी में वैश्य समाज से आठ विधायक होने के बावजूद किसी को मंत्री न बनाये जाने से समाज की शिकायत को दूर करने का भी प्रयास हुआ है।

दरअसल, राजनीतिक पंडित कमल गुप्ता व देवेंद्र बबली को मंत्री बनाये जाने के पीछे सरकार की जाट व वैश्य समुदाय को साधने की कवायद के रूप में भी देख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नब्बे सदस्यीय विधानसभा में चौदह मंत्री बनाये जा सकते हैं। लेकिन इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल समेत कैबिनेट में 12 मंत्री ही थे। वहीं यह मंत्रिमंडल विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पार्ट- टू पारी को ढाई साल होने जा रहे हैं। वैसे इस मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कई अन्य तरह के कयास भी लगाये जाते रहे हैं, जिसमें विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता को मंत्रिमंडल में वैश्य समाज के प्रतिनिधि के रूप शामिल करने की चर्चा रही है। वहीं सियासी गलियारों में यह भी चर्चा रही है कि मुख्यमंत्री कामकाज के आधार पर कई मंत्रियों के कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव ला सकते हैं। कुछ चेहरे बदले भी जा सकते हैं। वैसे इस मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही बोर्ड व निगमों के चेयरमैन पदों को भरने का भी जननायक जनता पार्टी की ओर से दबाव रहेगा। बताते हैं कि भाजपा व जजपा गठबंधन के तहत जजपा को एक दर्जन के करीब बोर्ड व निगमों के पद मिले हैं, जिसके क्रम में सरकार द्वारा की गई कतिपय कार्यवाही से भी इन चर्चाओं को बल मिला है। कह सकते हैं कि गठबंधन की जरूरतों के चलते देर-सवेर मनोहर सरकार को इन पदों पर नियुक्तियों को हरी झंडी देनी ही पड़ेगी। अप्रैल में मंत्रिमंडल में बड़े फेर-बदल की चर्चाओं को मुख्यमंत्री ने फिलहाल खारिज कर दिया है, पर राजनीति में कुछ भी अंतिम कहां होता है। फिलहाल सरकार बड़े किसान आंदोलन के संकट से तो निकल आई है लेकिन कोरोना संकट की तीसरी लहर की दस्तक उसके सामने नई चुनौती खड़ी कर रही है। ऐसे में मनोहर सरकार को एक बार फिर नई चुनौती के मुकाबले को तैयार रहना होगा।

पंजाब के लिए संकेत

आम आदमी पार्टी (आप) ने चंड़ीगढ़ नगर निगम चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतकर पिछली बार पूर्ण बहुमत से शहर में सरकार बनाने वाली भाजपा को करारा झटका दिया है। निकाय चुनाव के लिए 24 दिसम्बर को मतदान हुआ था। वोटों की गिनती सोमवार को हुई। कुल 35 सीटों में से आप ने 14 सीटें जीतीं। भाजपा को 12, कांग्रेस को 8 और शिरोमणि अकाली दल को मात्रएक सीट मिली। हालांकि यह खंड़ित जनादेश है क्योंकि निगम में सरकार बनाने के लिए 18 सीटें होना जरूरी है। कहना यह कि जोड़तोड़ करके ही सरकार बना पाना संभव होगा। बहरहालग कांग्रेस और भाजपा में होने वाले पारंपरिक मुकाबले को आप ने रोचक बना दिया था। आप का अच्छा प्रदर्शन पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शासन के मॉड़ल की जीत कहा जा सकता हैग कहा भी जा रहा है। इसे आने वाले दिनों में पंजाब की राजनीति में बदलाव का संकेत भी समझा जा सकता है। प्रदर्शन से दिल्ली में निगम चुनाव के लिए आप का यकीनन उत्साहवर्धन होगा। गौरतलब है कि इससे पहले आप ने उप्र, हिप्र, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और गोवा में स्थानीय और निकाय चुनाव लड़े थे। सभी जगहों पर उसका प्रदर्शन अच्छा रहा। उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनाव में आप ने जिला पंचायत सदस्य की 83 जबकि ग्राम पंचायत की 300 सीटें जीतीं और क्षेत्रपंचायत के लिए उसके 232 सदस्य चुने गए। सूरत नगर निगम में उसने 18 सीटों पर काबिज होते हुए धमाकेदार एंट्री की। महाराष्ट्र में ग्राम पंचायत की 300 में से 145 सीटें जीतीं। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव में 40 प्रत्याशी मैदान में उतारे जिनमें से 36 जीत गए। जम्मू-कश्मीर में जिला विकास काउंसिल सदस्य की एक तो गोवा में जिला पंचायत सदस्य की एक सीट जीती। इस प्रकार चुनाव दर चुनाव आप का बेहतर होता प्रदर्शन तस्दीक करता है कि मतदाता बदलाव के लिए तरस रहा है, विकल्प की तलाश में है। जो भी पार्टी जनसरोकार वाली राजनीति से उसे आश्वस्त करेगी उसे समर्थन देने में जरा भी देर नहीं करेगा। इस लिहाज से आप सफल हो रही है। हालांकि कुछलोग इस सफलता को मुफ्त बिजली-पानी-शिक्षा आदि से जोड़ रहे हैं, लेकिन मतदाता के फैसले और विवेक को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

अभिसारिका

उन्हें अभी घर लौटने का मन नहीं था। प्रोफेसर ने अपनी प्रेमिका से किसी रेस्तरां में चलने की गुजारिश की। वह खुशी से तैयार हो गई। उन्होंने एक टैक्सी रोकी और आधा घंटे में वे कनॉट-सर्कस के अत्याधुनिक रेस्तरां अभिसारिका में दाखिल हो गए। रेस्तरां आकार में छोटा लेकिन सजावट में किसी यूरोपीय पब की भांति कलात्मक था। हर जगह पीले और सलेटी रंगों की जुगलबंदी थी। फर्श पर बने शतरंज के खाने तक भी पीले और सलेटी रंग के थे। दीवारों पर सुसज्जित पेन्टिंग्स भी पीले और सलेटी रंगों से बनाई गई थीं। वे सलेटी रंग की एक मेज के दोनों ओर रखी पीली कुतसयों पर बैठ गए।

मेज के ऊपर जूट की मोटी रस्सी के सहारे फाल-सीलिंग से लटके पीले लैंप के उजाले में उन्होंने एक-दूसरे के चेहरों को गौर से देखा और महसूस किया कि कितनी देर से वे सुकून के साझे लम्हों की ताजगी में हैं। सेक्साफोन का धीमा मादक संगीत लहरों-सा बिखर रहा था। काली स्कर्ट, सफेद शर्ट और बालों में पीला रिबन बांधे वेट्रेस आई तो प्रोफेसर ने बीयर और मारग्रेता पिज्जा ऑर्डर कर दिया। दोनों बीयर पीते रहे और दुनिया-जहान की बातें करते रहे। बातें नई से नई और पुरानी से पुरानी थीं। कोई भी सिरा कहीं से भी जुड़ जाता। कहीं से भी अलग हो जाता। कभी स्कूल की प्रयोगशाला में पहुंच जाते कभी कॉलेज की लाइब्रेरी में। कभी किसी आर्ट-गैलरी में टहलने लगते कभी किसी खंडहर में। दोनों का ही मन ऐसी वेवलैंथ पर आकर एक हो गया था कि लग रहा था मानो बातें कभी खत्म ही न हों। किसी बात पर प्रोफेसर की प्रेमिका ने कहा- 'क्या नहीं लगता कि हम दो अजनबी यात्री हैं, और बहुत देर से एक ट्रेन के खाली कंपार्टमेंट में बैठे हैं अलग-अलग।' प्रोफेसर सचेत हो गए। उन्होंने घड़ी देखी। रात के ग्यारह बज चुके थे। रेस्तरां में उन दोनों के अलावा कोई और कस्टमर नहीं था सिवा ऐसे नवयुवक के जो हाथ में बीयर का ग्लास संभाले मारियो पोजो की किताब गॉडफादर पढ़ रहा था। प्रोफेसर बोले- 'यसग यू आर राइट। मेरा खयाल है कि अब हमें चलना चाहिए।'

घातक होगी ओमिक्रोन संक्रमण मामले में लापरवाही

योगेश कुमार गोयल

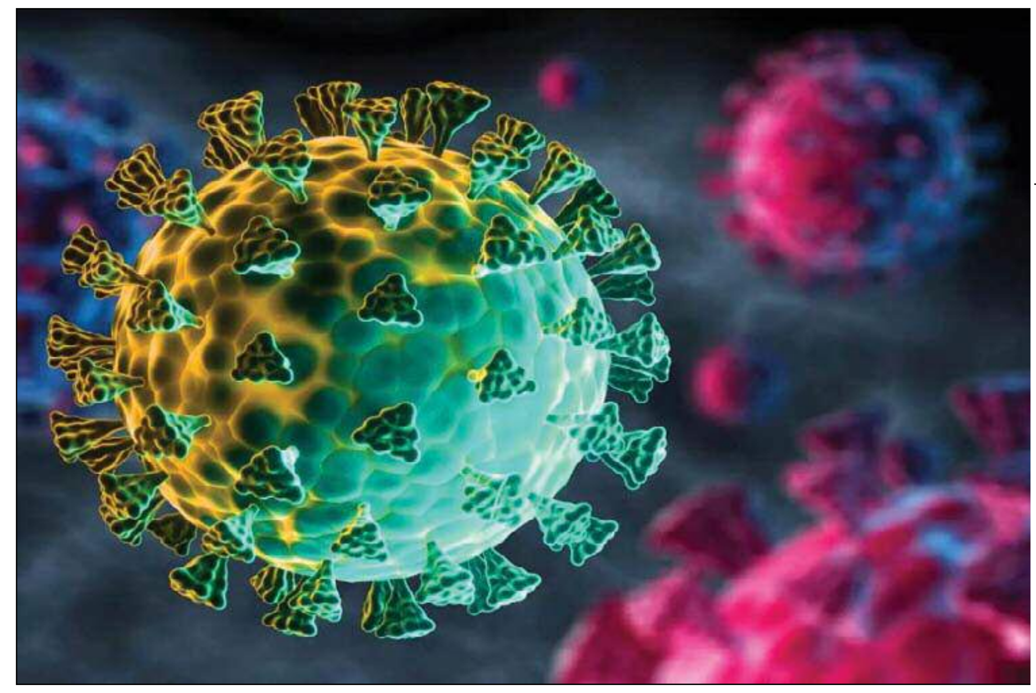

देश में ओमिक्रोन के लगातार बढ़ते मामलों से दहशत का माहौल बनने लगा है। बढ़ रहे मामलों को देखते हुए फरवरी माह में कोरोना की तीसरी लहर की भविष्यवाणी की जा रही है। ऐसे में पहले से ही रोजी-रोटी के संकट से जूझ रहे करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के साथ-साथ एक और लॉकडाउन का डर अभी से सताने लगा है। दरअसल, चंद दिनों में ही ओमिक्रोन के देशभर में 500 से भी ज्यादा मरीज सामने आ चुके हैं और यह आंकड़ा प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। इसी के चलते कुछ राज्यों द्वारा 'नाइट कर्फ्यू' लगाए जाने की शुरुआत हो चुकी है। हालांकि ओमिक्रोन को लेकर सरकार द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि इसमें ऑक्सीजन की जरूरत कम ही है। फिर भी संक्रमण की रफ्तार से तीसरी लहर की चिंता स्वाभाविक ही है। इन परिस्थितियों के मद्देनजर इससे निपटने के लिए समय रहते केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी उपाय किए जाने की सख्त आवश्यकता है।

24 नवम्बर 2021 को जहां ओमिक्रोन का पहला मामला दक्षिण अफीका में सामने आया था, वहीं भारत सहित पूरी दुनिया में केवल एक महीने के अंदर ही यह 110 से भी ज्यादा देशों में फैल चुका है। इस एक महीने में दुनियाभर में इस वेरिएंट के लाखों मामले सामने आ चुके हैं। दक्षिण अफीका में कोरोना संक्रमण के 95 फीसदी मामलों की प्रमुख वजह ओमिक्रोन ही है। ब्रिटेन में जहां 29 नवम्बर तक ओमिक्रोन के 0.17 फीसदी मामले सामने आ रहे थे, वहीं 23 दिसम्बर तक इसके 38 फीसदी मामले दर्ज किए गए। यही हाल अमेरिका का भी है, जहां ओमिक्रोन की वजह से संक्रमण दर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। हाल यह रहा कि 22 दिसम्बर तक हर चौथा मामला ओमिक्रोन की वजह से आया।भारत में भी यह संक्रमण फैलने की रफ्तार काफी तेज है।

> अदालतें इसके लिए बार-बार फटकार लगाते हुए सचेत भी करती रही हैं किन्तु डर इसी बात का है कि कहीं महज कागजों तक ही सीमित कोरोना पाबंदियां तीसरी लहर को खौफनाक न बना दें।

चिंताजनक स्थिति यह है कि ओमिक्रोन में अब तक कुल 53 म्यूटेशन हो चुके हैं और यह डेल्टा के मुकाबले बहुत तेजी से फैलता है। डेल्टा में कुल 18 और इसके स्पाइक प्रोटीन में दो म्यूटेशन हुए थे लेकिन ओमिक्रॉन के स्पाइक प्रोटीन में 32 म्यूटेशन हो चुके हैं। इसके रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन में भी 10 म्यूटेशन हो चुके हैं। वायरस स्पाइक प्रोटीन के जरिये ही मानव शरीर में प्रवेश करता है। लंदन के इंपीरियल कॉलेज के वायरोलॉजिस्ट डा. टोम पीकॉक के मुताबिक वायरस में जितने ज्यादा म्यूटेशन के जरिए वेरिएंट बनेगा, वह उतना ही अधिक खतरनाक होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ओमिक्रोन को कई दिनों पहले ही 'वेरिएंट ऑफ कंर्सन' घोषित करते हुए कह चुका है कि तेजी से फैलने वाला यह वेरिएंट लोगों के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डा. सुसान हॉपकिंस का कहना है कि कोरोना का यह वेरिएंट दुनियाभर में प्रमुख डेल्टा स्ट्रेन सहित अन्य किसी भी वेरिएंट के मुकाबले बदतर होने की क्षमता रखता है। विशेषज्ञों के अनुसार डेल्टा वेरिएंट की आर वैल्यू 6-7 थी अर्थात् एक व्यक्ति वायरस को 6-7 व्यक्तियों में फैला सकता है। ओमिक्रोन की आर वैल्यू तो डेल्टा के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा है। इसका अर्थ है कि ओमिक्रोन से संक्रमित मरीज 35-45 लोगों में संक्रमण फैलाएगा।

भारत में ओमिक्रोन का पहला मामला 2 दिसम्बर को सामने आया था और उसके बाद से मूल वायरस के मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा तेज रफ्तार से फैल रहा है। दक्षिण अफीका में ओमिक्रोन का सबसे पहले पता लगाने वाली 'साउथ अफीकन मेडिकल एसोसिएशन' की अध्यक्ष डा. एंजेलिक कोएत्जी का भारत के संदर्भ में कहना है कि कोरोना वायरस के इस नए वेरिएंट के कारण यहां संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दिखेगी। हालांकि, मौजूदा टीकों से इस रोग को फैलने से रोकने में निश्चित ही मदद मिलेगी।टीकाकरण नहीं कराने वाले लोगों को शत-प्रतिशत खतरा है। यही वजह है कि इस समय टीकाकरण पर बहुत ज्यादा जोर दिया जा रहा है और बहुत सारी सेवाओं में टीकाकरण प्रमाण पत्र को अनिवार्य किया जा रहा है। एंजेलिक कोएत्जी का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति का टीकाकरण हो चुका है या जो व्यक्ति पहले भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है, उससे संक्रमण कम लोगों को फैलेगा और टीकाकरण नहीं कराने वाले लोग वायरस को संभवतः शत-प्रतिशत फैलाएंगे।

डा. एंजेलिक कोएत्जी के मुताबिक ओमिक्रोन उच्च संक्रमण दर के साथ तेजी से फैल रहा है, लेकिन अस्पतालों में गंभीर मामले अपेक्षाकृत कम हैं। यह बच्चों को भी संक्रमित कर रहा है और वे भी औसतन 5 से 6 दिन में ठीक हो रहे हैं लेकिन ओमिक्रोन भविष्य में अपना स्वरूप बदलकर अधिक घातक बन सकता है। अधिकांश विशेषज्ञों की भांति उनका भी यही मानना है कि टीकाकरण के अलावा कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन ओमिक्रोन संक्रमण को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। लापरवाहियों के चलते भारत कोरोना की दूसरी लहर के दौरान तबाही का जो मंजर देख चुका है, ऐसे में यदि चुनावी रैलियों में सभी राजनीतिक दलों द्वारा इसी प्रकार भारी भीड़ जुटाई जाती रही तो डर यही है कि कहीं फिर से वही हालात न पैदा हों, जैसे मार्च-अप्रैल में चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी राज्य विधानसभा चुनावों की रैलियों में जुटाई गई भारी भीड़ के चलते हुए थे। सवाल यह भी उठता है, जब भी ऐसे सवाल उठते हैं तो संबंधित राज्यों में नाइट कर्फ्यू जैसी पाबंदियां लगाकर कोरोना के खिलाफ सख्त कदम जैसी बातें दोहराई जाने लगती हैं लेकिन यह कैसी हास्यास्पद स्थिति है कि अधिकांश जगहों पर जहां रात में सड़कें पहले ही सुनसान रहती हैं, वहां कर्फ्यू और दिन में शादी-ब्याह जैसे समारोहों में 100-200 लोग, तो रैलियों में लाखों की भीड़ इकट्ठा करने की अनुमति होती है। अदालतें इसके लिए बार-बार फटकार लगाते हुए सचेत भी करती रही हैं किन्तु डर इसी बात का है कि कहीं महज कागजों तक ही सीमित कोरोना पाबंदियां तीसरी लहर को खौफनाक न बना दें।

लड़कियों की शादी की उम्र

कानून ही नहीं, अवसरों की भी जरूरत

सरस्वती रमेश

लोग कहते हैं कानून के हाथ लंबे होते हैं। मगर देखने में मिलता है कि कई मामलों में ये हाथ सिकुड़ कर रह जाते हैं। विवाह के मामले में भी कुछ ऐसा ही होता है। विश्वास न हो तो आजमगढ़, बलिया, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी जैसे किसी भी कस्बाई नगर में चले जाइये। वहां किसी भी सड़क पर 15-20 मिनट खड़े हो जाइए। सड़क पर आती-जाती माथे पर सिंदूर लगाए किशोरियों को देखिए और गिन लीजिए उनकी संख्या। आपको पता चल जाएगा 18 वर्ष से कम उम्र की कितनी लड़कियां शादीशुदा हैं और लड़कियों की शादी के लिए तय उम्र की जमीनी हकीकत क्या है। सड़कों पर आपको प्राइमरी डेटा मिल जाएगा।

अब जरा सेकंडरी डेटा पर गौर फरमाइये। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2015-16) के अनुसार 56 प्रतिशत लड़कियों की शादी 21 वर्ष से कम उम्र में हो जाती है। गरीब आबादी के बीच यह संख्या 75 प्रतिशत के आसपास है। मतलब लड़कियों की शादी के मामले में अब तक के सारे कानूनों की पकड़ ढीली साबित हुई है। मतलब कानून बने तो कानून का पालन भी सख्ती से होना चाहिए।

लड़कियों की शादी कम उम्र में हो रही है। हमारी सरकार इसके दुष्प्रभावों से चिंतित थी। स्थिति में सुधार के लिए सरकार लगभग डेढ़ साल से हाथ-पैर चला रही थी। और अब एक नया कानून बनने जा रहा है। अब 21 वर्ष से कम उम्र में लड़कियों की शादी कानूनन जुर्म होगा। इसकी जरूरत बताते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कहा कि लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य मातृ मृत्युदर में कमी, उनकी सेहत की रक्षा करना और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्हें बढ़ावा देना है। मगर सोचने की जरूरत है कि क्या वाकई यह कानून से जुड़ा 'पुलिसिया मामला' है या इसके तार कहीं और से जुड़े हैं।

जहां तक मातृ मृत्यु दर का प्रश्न है तो यह सच है कि अधिकतर लड़कियां कम उम्र में मां बनकर प्रसव के दौरान होने वाली कांप्लिकेशंस से मर जाती हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि वे सब जागरूकता के अभाव और अशिक्षा के चलते समय से पहले बनी मांएं थीं। इनमें अधिकतर महिलाएं मेडिकल सुविधाओं, बेहतर चिकित्सकों के अभाव, अस्पतालों में होने वाली लापरवाही की भी शिकार होकर अपनी जान से हाथ धो देती हैं।

कच्ची उम्र में मां बनने की इतनी बड़ी संख्या होने की एक और बड़ी वजह यह कि हमारे समाज में कोई भी स्त्री मां बनने से पहले यह नहीं सोचती कि उसका शरीर मां बनने के योग्य है या नहीं। अधिकतर औरतें खुद से कभी यह सवाल नहीं पूछती कि क्या वे वास्तव में मां बनने के लिए तैयार हैं या नहीं। वह समाज के दबाव, परिवार की इच्छा और परंपरा का निर्वाह करने के लिए मां बनती हैं।

जहां तक जच्चा-बच्चा की सेहत का मसला है तो यह सीधे उनके पारिवारिक बैकग्राउंड और उनकी आर्थिक स्थिति से जुड़ा हुआ है। गरीब परिवार में जन्मे बच्चे कुपोषण व अन्य बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। जबकि संपन्न परिवार में जन्मे बच्चे चाहे वह लड़की हो या लड़का, अच्छे खान-पान व पोषण के कारण स्वस्थ रहते हैं। गरीब परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुधारने का प्रयास करना होगा। समय के साथ एक नई समस्या भी उभरी है। यह समस्या है कम उम्र में ही विपरीत सेक्स के प्रति यौन आकर्षण का उभरना। अब लड़कियों की शादी की उम्र तीन साल बढ़ा देने से तो 'यौन अपराधियों' की संख्या तो निश्चित तौर पर बढ़ेगी। तो क्या हम पुलिसिया अंदाज में उनकी हरकतों को अपराध मानकर सजा देंगे या किशोरवय बच्चों को पहले से जागरूक किया जाएगा। लड़कियों के पीछे रह जाने की और भी कई वजह हैं। जैसे मां-बाप पहले लड़कियों का ब्याह कर अपने सिर का बोझ हल्का करना चाहते हैं।

दरअसल, मूल समस्या सही शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के अवसरों की कमी रही है। यदि बारहवीं के बाद लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाए तो शायद मां-बाप सहर्ष उसे स्वीकार कर उनकी शादी टाल सकते हैं। और फिर कमाने वाली महिला अपने विवाह से जुड़े फैसले खुद ले सकेगी।

अर्थव्यवस्था

मुश्किल है चीनी उत्पादों का बहिष्कार

सतीश कु. सिंह

जनवरी, 2021 से नवम्बर, 2021 के दौरान भारत और चीन के बीच कुल 8.57 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ जो अब तक उच्चतम स्तर है। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले यह 46.4 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान भारत ने चीन से 6.59 लाख करोड़ रुपये के विविध उत्पाद आयात किए जो पिछले साल के इसी अवधि की तुलना में 49 प्रतिशत अधिक है। हालांकि इस अवधि में चीन ने भी भारत से रिकॉर्ड आयात किया। इस दौरान, चीन ने कुल 1.98 लाख करोड़ रुपये के उत्पाद भारत से आयात किए जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 38.5 प्रतिशत अधिक है। बावजूद इसके भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 4.61 लाख करोड़ हो गया, जो अब तक का उच्चतम स्तर है।

भारत और चीन के बीच कारोबार तब बढ़ रहा है, जब दोनों के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर तनाव बना हुआ है। लेकिन मौजूदा स्थिति दो देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार की महत्ता की तस्दीक करती है। आज युद्ध से ज्यादा जरूरी कारोबार हो गया है। अगर दूसरे देशों से कारोबारी रिश्ते अच्छे नहीं हों तो देश बर्बाद भी हो सकता है। इसके लिए किसी युद्ध की कदापि जरूरत नहीं है। इसलिए बदली परिस्थितियों को आश्चर्य की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। भारत आज भी आत्मनिर्भर नहीं है। चीन के उत्पादों का बहिष्कार करना भारत और आमजन का उठाया गया भावनात्मक कदम हो सकता है, लेकिन वास्तविकता में भारत के बाजारों पर चीनी उत्पादों का कब्जा है। भारत के गांव-देहात में हर ग्रामीण चीन में बने उत्पादों का इस्तेमाल कर रहा है। नाई द्वारा कटिंग के लिए इस्तेमाल की जाने वाली चादर, कैंची, उस्तरा, बच्चों द्वारा खेले जाने वाले खिलौने, दीवाली के दीये, देवी-देवता, सजावट के समान, मोबाइल, टीवी, लैपटॉप, गांव के किराने के दुकान पर अधिकांश सामान आदि चीन के बने हुए हैं। ऐसे में क्या चीन के उत्पादों का बहिष्कार हम कर सकते हैं?

भारत अपनी घरेलू जरूरतें पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर चीन निर्मित उत्पादों का आयात करता है। इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर बाजार के मामले में भी चीन का भारत के बाजारों पर कब्जा है।

किसी भी देश की निर्यात से अर्जित राशि यदि आयात में खर्च की गई राशि से अधिक होती है, तो उसे व्यापार मुनाफा कहा जाता हैग वहीं, जब आयात में खर्च की गई राशि यदि निर्यात से अर्जित राशि से अधिक होती है, तो उसे व्यापार घाटा कहते हैं। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ा है अर्थात भारत चीन से विविध उत्पादों का आयात ज्यादा करता है, जबकि निर्यात कम। 2014 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 3.36 लाख करोड़ रुपये था, तो 2021 में 4.61 करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों से साफ हो जाता है कि चाहे हम चीन के उत्पादों का बहिष्कार करने के लाख दावे करें, लेकिन हकीकत में ऐसा करना हमारे लिए संभव नहीं है। हम आज भी और आगामी सालों में भी अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए चीनी उत्पादों पर निर्भर रहेंगे। इतना ही नहीं, आज भी हम कई उत्पादों के निर्माण के लिए चीन से कच्चे माल का आयात करते हैं, और हमारी यह निर्भरता आने वाले सालों में भी बनी रहेगी। वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान के भारत और चीन के बीच हुए कारोबार के आंकड़े बताते हैं कि भारत ने चीन को कम मूल्य के कच्चे उत्पादों का ज्यादा निर्यात किया था, जबकि वह विनिर्माण से जुड़े उत्पादों का चीन से आयात कर रहा था। इस अवधि में भारत से चीन मुख्य रूप से लौह अयस्क, पेट्रोलियम आधारित ईधन, कार्बिनक रसायन, परिष्कृत कॉपर, कॉटनयार्न आदि का आयात कर रहा था। खाद्य वस्तुओं में मछली एवं समुद्री खाद्य पदार्थ, काली मिर्च, वनस्पति तेल, वसा आदि भी भारत, चीन को निर्यात कर रहा था। साथ ही, भारत ग्रेनाइट के ब्लॉक एवं रियल एस्टेट में इस्तेमाल किए जाने वाले स्टोन और कच्चे कपास का निर्यात भी चीन को कर रहा था।

चीन में ऑटोमोबाइल, मोबाइल और कंप्यूटर के कलपुर्जों का बड़ी मात्रा में निर्माण किया जाता है। चीन से भारत आयातित उत्पादों में इलेक्ट्रॉनिक्स का 20.6 प्रतिशत, मशीनरी का 13.4 प्रतिशत, ऑर्गेनिक केमिकल्स का 8.6 प्रतिशत और प्लास्टिक उत्पादों का 2.7 प्रतिशत योगदान है, जबकि भारत से चीन को निर्यातित उत्पादों में ऑर्गेनिक केमिकल्स का 3.2 प्रतिशत और सूती कपड़ों का 1.8 प्रतिशत का योगदान है। भारत इलेंट्रिरकल मशीनरी, मैकेनिकल उपकरण, ऑर्गेनिक केमिकल, प्लास्टिक और ऑप्टिकल सतजकल उपकरणों का सबसे अधिक आयात करता है, जो भारत के कुल आयात का 28 प्रतिशत है। भारत में भले ही चीन में बने सामानों के बहिष्कार की बात कही जाती है, लेकिन भारत के बहुत सारे उद्योग कच्चे माल एवं कलपुर्जों के लिए चीन पर निर्भर हैं। भारत भी कई तैयार उत्पादों के लिए चीन पर निर्भर है। ऐसे में हमें चाइनीज उत्पादों का बहिष्कार करने का ढकोसला करने की जगह 'मेड इन इंडिया' सामानों की संख्या को बढ़ाने पर जोर देना चाहिए।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

स्काउट एंड गाइड ने रैली निकाल मतदान के प्रति किया जागरूक

■ खुरजा

स्थानीय जेएएस इंटर कॉलेज में स्काउट और गाइड का छात्र, छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में महादेवी इंटर कॉलेज की छात्राओं और जेएएस इंटर कॉलज के छात्रों ने भाग लिया। दोनों कालिज के स्काउट और गाइडो ने प्रशिक्षण उपरांत स्वीप योजना के अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली को जनपद के स्काउट और गाइड सचिव जेएएस इंटर कालिज के प्रधानाचार्य डा.नरेश कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। रैली जेएएस इंटर कालिज से प्रारम्भ हो गांधी रोड,पदम सिंह गेट,जेवर अड्डा चैराहा,नगर पालिका परिषद, जंक्शन रोड से होती हुई ढोरी मोहल्ला से निकल जेएएस इंटर कालिज पर ही समाप्त हुई। इस मौके पर शिक्षक शैवेद्र सिंह, (स्काउट प्रभारी) रीना भारद्वाज, गाइड प्रभारी, ओपी हंस, राजेश कुमार, अशोकआर्य,अनिल शर्मा, निरजेंद्र सिंह लेफ्टिनेंट इत्यादि का सहयोग रहा।

स्टॉल लगाकर करें आर्गेनिक खेती का प्रचार-प्रसार : देवेश चतुर्वेदी

■ बुलंदशहर

प्रदेश के किसानों की आय को बढ़ाने को कृषि विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आर्गेनिक खेती के माध्यम से फसल,उपज को बढ़ावा देने के क्रम में बृहस्पतिवार को अपर मुख्य सचिव, कृषि, कार्मिक देवेश चतुर्वेदी ने तहसील स्याना क्षेत्र के गांव बिहटा निवासी पद्मश्री भारत भूषण त्यागी के कृषि फॉर्म हाउस पर जाकर की जा रही आर्गेनिक खेती के साथ कृषि उपजों से बनाये जा रहे उत्पादों की जानकारी ली।

अपर मुख्य सचिव देवेश चतुर्वेदी ने फार्म हाउस पर आर्गेनिक रूप से उगायी गई विभिन्न प्रजातियों की फसलों, आयुर्वेदिक दवाओं के पौधों, मनरेगा योजना से तैयार कराये जा रहे तालाब की मौके पर जाकर जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों को आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए उपजाई जा रही फसलों की विधि एवं तैयार किये जा रहे उत्पादों के विषय में जानकारी का प्रचार-प्रसार कर आय बढ़ाये जाने को प्रयास किये जायें। कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को आर्गेनिक खेती के लिए प्रेरित करने के लिए श्री त्यागी के अनुभवों का लाभ गोष्ठियों के माध्यम से दिलाया जायें। जिला प्रशासन से अपेक्षा की गई मुख्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली जिला प्रदर्शनी में आर्गेनिक खेती से संबंधित स्टॉल लगवायें जायें जिससे प्रदर्शनी में आने वाले कृषक आर्गेनिक खेती के बारे में जागरूक होकर अपनी फसलों की उपज को बढ़ाकर आय बढ़ा सके।

पत्रकार श्री सम्मान से सम्मानित नंद गोपाल का गर्मजोशी से स्वागत

■ बुलंदशहर

प्रयागराज में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार नंद गोपाल वर्मा को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र व राष्ट्रीय संयोजक भगवान प्रसाद उपाध्याय के नेतृत्व में संगठन पदाधिकारियों द्वारा पत्रकारिता व पत्रकार हितोंके संघर्ष करने तथा सांगठनिक अतुलनीय योगदान के लिए पत्रकार श्री सम्मान से सुशोभित किए जाने के बाद गुरुवार को मुख्यालय सिथत डा. भीमराव अंबेडकर पार्क में नगर पंचायत चेयरमैन साबिर कुरैशी की अध्यक्षता व पत्रकार खालिद सैफी के संचालन में पत्रकारों, नगर पंचायत के चेयरमैन व सभासद एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने नंदगोपाल वर्मा को पटका एवं फूल माला पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस मौके पर प्रिन्ट व इलैक्ट्रोनिक मीडिया से जुड़े पत्रकार, घनश्याम पाल निर्मल, हरि प्रकाश बाबा, शफी मोहम्मद सैफी,खालिद सैफी पत्रकार तथा सभासद सुबोध चैधरी, शोएब कुरैशी ,आबिद कुरैशी समेत समाजसेवी उपस्थित रहे।

किसान समस्याओं के निस्तारण को भाकियू ने हाइवे का किया घेराव

■ सिकंद्राबाद

भारतीय किसान यूनियन नेएन एच -91 पर धरना प्रदर्शन करते हुए दस मिनट तक हाइवे को सांकेतिक रूप से जाम किया। सूचना पर पहुंचे आला अधिकारियों ने समस्या के समाधान का आश्वासन देकर किसी तरह जाम खुलवाया। कोतवाली सिकंद्राबाद क्षेत्र मे एनएच 91 स्थित गांव हृदयपुर के पास से गुजर रहे रजवाहा के कट जाने से सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न होने से गाजर, गेहूं, पशुओं का चारा आदि फसल बर्बाद हो गई। आरोप है कि सूचना के बाद भी संबंधित विभाग के अधिकारियो ने समस्या के समाधान का प्रयास करना तो दूर मौके पर पहुंचना भी गंवारा नही किया। अपनी फसल बर्बाद होती देख ग्रामीण स्वयं ही कटे रजवाहा कोबन्द करने मे जुट गये और कई घंटे की मशक्कत के बाद बन्द किया।

ग्रामीणों का आरोप हैकि कई बार किसानों की फसल रजवाह कटने से बर्बाद हो चुकी है लेकिन विभागीय अधिकारी इसका कोई स्थाई निस्तारण नहीं कर सके है। आय दिन रजवाहा कटने से समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है।

स्टेडियम में 25 से 30 हजार लोगों की बैठने की व्यवस्था होगी

प्राचीन शैली पर बनेगा खेल विवि, प्रधानमंत्री करेंगे शिलान्यास

■ मेरठ

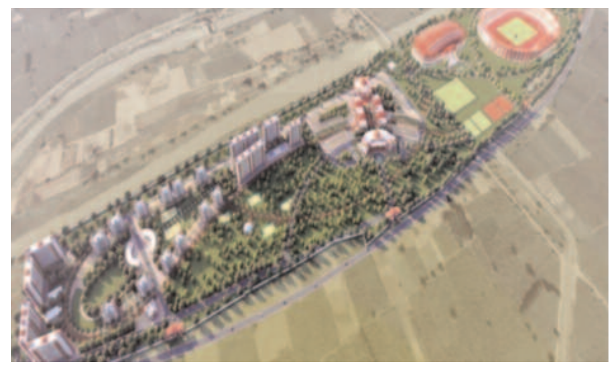

सरधना क्षेत्र के सलावा गांव में बनने वाला मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय भारत की प्राचीन शैली पर तैयार होगा। इस स्टेडियम में ओलिंपिक की तर्ज पर खेलकूद प्रतिस्पर्धाएं कराई जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विभिन्न खेलों के ट्रैक व स्टेडियम तैयार होंगे। एथलेटिक्स के साथ फुटबाल, जैवलिन थ्रो, डिस्कस आदि खेल प्रतियोगिताएं हो सकेंगी। खेल विश्वविद्यालय में दो प्रकार से दर्शक दीर्घा क्षमता के साथ स्टेडियम तैयार किए जाएंगे। इसमें आउटडोर गेम्स जैसे एथलेटिक्स आदि के लिए लगभग 25 से 30 हजार लोगों की बैठने की व्यवस्था होगी। रेसलिंग खो-खो व कबड्डी इंडोर गेम्स के लिए लगभग पांच हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। खेल विवि में आर्चरी व शूटिंग रेंज भी होगा।

शासन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दो जनवरी के कार्यक्रम के मद्देनजर आयोजन स्थल को स्टेडियम के लुक में तैयार करने के दिशा-निर्देश दिए हैं। स्टेज व सभा के चारों तरफ स्टेडियम की तरह सीढ़ीनुमा स्टेयर कुर्सियां लगाई जाएंगी। इसके बाद सभा स्थल का लुक स्टेडियम की तरह नजर आएगा। वही उप्र के पहले खेल विवि में विश्वस्तरीय तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। खिलाड़ियों के लिए आधुनिक सुविधाएं होंगी। गंगनहर के किनारे बनने वाले खेल विवि में राफ्टिंग व रोविंग, नौकायन जैसे जलीय खेलों का प्रशिक्षण भी होगा। इसके अलावा ओलिंपिक खेल जैसी शूटिंग रेंज, जेवलिन थ्रो, भारोत्तोलन, कुश्ती, हाकी, वालीबाल, ट्रैक एंड फील्ड के अलावा खो-खो व मलखंभ जैसे परंपरागत खेल को प्रोत्साहन देने के लिए भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। टर्फ मैदानों के साथ ओलिंपिक आकार का स्विमिंग पूल व साइकिलिंग ट्रैक भी होंगे।

खेल विवि शापिंग कांप्लेक्स, मेंटीनेंस कार्यालय, हेल्थ सेंटर, पुलिस चौकी, अतिथि गृह, कुलपति आवास, पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास, अधिकारियों व कर्मचारियों के अलग-अलग टाइप 2, 3, 4 व 5 आवास, मल्टीपरपज हाल, जिमनेजियम, योग हाल, गार्ड रूम, बास्केट बाल, लान टेनिस, वालीबाल, 100 मीटर ट्रैक, हाकी ग्रांउड, फुटबाल, एथलेटिक्स, हैंडबाल कोर्ट, 60 मीटर शूटिंग रेंज, 90 मीटर शूटिंग रेंज व 125 मीटर शूटिंग रेंज आदि खेल विवि की डीपीआर में शामिल किए जा रहे हैं।

30 दिसंबर के गौरवशाली इतिहास को आत्मसात करने की जरूरतः कुलपति

सुभारती विवि में हर्षोल्लास से मनाया गया आईएनए दिवस

■ मेरठ

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय में गुरुवार को आईएनए दिवस का आगाज देशभक्ति से परिपूर्ण भावना के किया। अखण्ड भारत की पावन धरती पोर्ट ब्लेयर, अंडमान-निकोबार पर अब से 78 वर्ष पूर्व नेताजी सुभाष चन्द्रबोस ने भारतीय ध्वज फहराया था।

सुभारती इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थापित नेताजी सुभाष चन्दबोस शोधपीठ में आयोजित कार्यक्रम में 70 यूपी एनसीसी केडेट्स ने विवि कुलपति मेजर जनरल डा. जीके थापलियाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। समारोह की विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय की सीईओ डा.शल्या राज ने आज़ाद हिन्द का ध्वजारोहण किया। विवि संस्थापक डा. अतुल कृष्ण ने कहा कि आज के युवा 30 दिसम्बर के दिवस के सम्बन्ध में कुछ नहीं जानते। यह उनका दोष नहीं है। विश्वविद्यालय की सीईओ डा.शल्या राज ने कहा नेताजी सुभाष चन्द्रबोस ने अंग्रेज सैनिकों से लोहा लेते हुए भारत की पावन धरती पर प्रथम बार अपना ध्वज फहराकर अखण्ड भारत की घोषण की थी। इस दिन को इतिहास में सही जगह नही मिलने पर देश के लिये अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों को भूला दिया गया। डा. जीके थापलियाल ने कहा कि आज ही के दिन नेताजी सुभाष चन्द्रबोस द्वारा अखण्ड भारत की धरती पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान-निकोबार) में अपने साथियों के साथ आज़ाद हिन्द का ध्वजारोहण कर भारत को आज़ाद घोषित किया था।

इस मौके पर डा.नीरज कर्ण सिंह, डीके सक्सैना, डा. अभय शंकरगौडा, डा. निखिल श्रीवास्तव, डा. मुकेश रूहेला, डा. वैभव गोयल भारतीय, डा. पिंटू मिश्रा, डा. भावना ग्रोवर, डा. गीता प्रबन्दा, डा. जासमीन, डा. महावीर सिंह उपस्थिति रहें।

महिला की हत्या में पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बागपत। ढिकाना गांव में महिला की हत्या का आरोप परिजनों ने ससुराल पक्ष और पति पर लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने महिला के परिजनों की तहरीर पर पति समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

शामली जनपद के झिंझाना थाना क्षेत्र के ऊन गांव निवासी सत्यब्रहम ने बताया कि करीब नो वर्ष पूर्व उन्होंने अपनी बेटी स्वाति की शादी बड़ौत क्षेत्र के ढिकाना गांव में मोनू के साथ की थी।

आग की लपटों में झुलसी विवाहिता, मौत

बुलंदशहर। अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियो की प्रताडना से परेशान एक माह से मायके मे रह रही विवाहिता ने अपनेशरीर पर पैट्रोल डाल आग लगाकर आत्महत्या करने का आरोप लगाते हुए थाना पर मृतका के पिता ने पति समेत ससुरालियो के विरूद्ध तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को मोर्चरी भेजा है। कोतवाली स्याना क्षेत्र के ग्राम चिंगरावटी निवासी प्रमोद कुमार ने अपनी 22 वर्षीय पुत्री अंजली की शादी गत 24 मईको थाना बीबीनगर क्षेत्र के ग्राम खैरपुर निवासी विकास के साथ की थी।

स्व. राधा बल्लभ चौधरी की पुण्य स्मृति में वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन, 200 लोगों ने लगवाया टीका

■ मथुरा

वृंदावन रोटरी क्लब ऑफ वृंदावन हेरिटेज ने स्व राधा बल्लभ चौधरी की पुण्य स्मृति में वैक्सीनेशन कैंप रमणरेती स्थित मोहन वाटिका में लगाया गया। स्व राधा बल्लभ चौधरी के चित्र पर माल्यार्पण कर सेवा शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में चिकित्सकों ने आजकल फैल रहे ओमीक्रोन कोरोना वायरस से बचाव के लिए सभी से अपील की। सभी लोगों से वैक्सीन समय पर जरूर लगवाने को कहा। शिविर में लगभग 200 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। रोटरी क्लब आगरा जोन के चेयरमैन नवीन चौधरी एडवोकेट ने कहा कि क्लब हमेशा ही जन सेवा का कार्य करता चला आ रहा है, क्लब ने कोरोना काल में भी बहुत सेवा कार्य किए हैं। निरंतर सेवा कार्य कर रहा है। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष भरत शर्मा, सचिव मुकेश कृष्ण शर्मा, पूर्व अध्यक्ष जुगल किशोर शर्मा, देवेंद्र शर्मा, चिराग तोमर, इनरव्हील क्लब की प्रेसीडेंट अनुपमा चौधरी, पूर्व अध्यक्ष गुंजन चौधरी, इनरव्हील क्लब की सचिव सुलेखा बंसल, अभिषेक उदैनिया, विनय शर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

तीन सड़कों का विधायक ने किया लोकार्पण, गिनाई सरकार की उपलब्धियां

ढाई करोड़ की लागत से होगा सड़कों का निर्माण

■ सिकंद्राबाद

सिकंद्राबाद की भाजपा विधायक विमला सोलंकी ने ढाई करोड रूपए की लागात से बनने वाली तीन सडको का फीता काटकर लोकार्पण कर प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनायी। विधानसभा सिकंद्राबाद के औद्योगिक क्षेत्र के ग्राम पंचायत जोखाबाद में 2 करोड़ 50 लाख की लागत से इंटरलॉकिंग रोड नंबर 7,12,व 16 का स्थानीय विधायक विमला सिंह सोलंकी ने लोकापर्ण किया।

उक्त रास्तों के निर्माण की मांग काफी समय से ग्रामीण कर रहे थे। उक्त सड़कों के निर्माण के लिए पूर्व प्रधान जोखाबाद धीरेंद्र काफी समय से प्रयासरत थे। इस दौरान ग्रामीणोंने विधायक का जोरदार स्वागत किया । विधायक विमला सोलंकी प्रदेश सरकार की उपलब्धिया गिनाते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में लोगों से पार्टी को समर्थन देने की अपील की।

इस मौके पर यूपीएसआईडीसी के रीजनल मैनेजर अनिल शर्मा, जीएम कजारिया अरुण लाठ,सुशील शर्मा,साबिर मुखिया,धीरेंद्र प्रधान जोखाबाद, मेघ सिंह प्रधान, कर्मवीर, राजसिंह प्रधान,हिमांशू प्रधान चंद्रावली, योगेश प्रधान,हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बाइक शोरूम और गैराज से हजारों की नकदी, समान चोरी

मेरठ। मवाना कस्बे में चोरो ने अलग अलग दो वारदातों को अंजाम दिया। चोरो ने दो बाइक शोरूम व मारूति के गैराज से हजारों की चोरी कर ली। वहीं दूसरी वारदात में बदमाशों ने कार, नकदी और मोबाइल लूटा। पुलिस दोनों ही मामलों में जांच कर रही है। बुधवार देर रात चोरों ने मेरठ रोड स्थित हाईवे पर दो बाइक शोरूम व एक मारूति गैराज को निशाना बनाते हुए हजारों की नकदी, स्पेयर पाट्र्स समेत व अन्य सामान साफ कर दिया। सुबह जब व्यापारी प्रतिष्ठान पर पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। नगर निवासी सर्वेंद्र चौधरी का मेरठ रोड बड़ा महादेव मंदिर के सामने हीरोहोंडा बाइक के शोरूम को निशाना बनाया। यहां पर पीछे दीवार में कुंबल करके 4 हजार रुपये की नकदी साफ कर दी। जबकि शोरूम के पीछे प्रमोद के मारूति के गैराज से हजारों रुपये की कीमत के स्पेयर पार्टस पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने ओमकार सिंह के टीवीएस बाइक शोरूम में ऊपर के दरवाजे तोड़कर गले में रखें 73 हजार रुपये चोरी कर लिए।

मुख्य सचिव ने की खेल विवि शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

■ मेरठ

प्रधानमंत्री के दो जनवरी को खेल विश्वविद्यालय के शिलान्यास के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर गुरुवार को मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग कर समीक्षा की। उन्होने कहा कि उप्र खेल के क्षेत्र में युवाओ को बेहतरीन अवसर प्रदान कर रहा है। एक खेल फ्रैण्डली स्टेट है। किसानो को यूरिया, खाद व पानी आदि की कोई समस्या न हो इसको सुनिश्चित किया जाये। उन्होने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि डयूटी पर तैनात पुलिस कर्मियो को रूट के बारे में सेन्सीटाईज किया जाये। उन्होने कहा कि एम्बुलेन्स के लिए ग्रीन कारिडोर भी बनाया जाये। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कहा कि कार्यक्रम स्थल में डयूटी पर तैनात अधिकारियों आदि के लिए 01 जनवरी से कोविड जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग स्टॉल लगाकर कर्मियो की तैनाती करें। उन्होने कहा कि मॉस्क का उपयोग भी गंभीरता से कराया जाये तथा कार्यक्रम स्थल पर मॉस्क की व्यवस्था करायी जाये। अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने कहा कि कार्यक्रम की ब्रांडिंग बढिया तरीके से करायी जाये इसके लिए सूचना विभाग की ओर से होर्डिंग्स, स्टैण्डी आदि भी लगवाये जायेंगे। आयुक्त सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री 32 राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय व अर्जुन अवार्डी खिलाडियो व उनके कुछ परिजनो से संवाद भी करेंगे। उन्होने बताया कि कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी। जिलाधिकारी मेरठ के बालाजी ने कार्यक्रम की तैयारियों की वृहद रूपरेखा प्रस्तुत की। करते हुये बताया कि कार्यक्रम में मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा खिलाडियो व परिजनो से संवाद, प्रदर्शनी का अवलोकन, मंच पर खेल वि0वि0 का शिलान्यास व उद्बोधन होंगे। उन्होने यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, पास व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, बसो की व्यवस्था आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर पर प्रमुख सचिव खेल कल्पना अवस्थी, एडीजी राजीव सब्बरवाल, आईजी प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहे।

होटल में कर्मचारियों से मारपीट सामान हाइवे पर फेंका

■ बागपत

नगर के दिल्ली-यमुनोत्री हाइवे स्थित राष्ट्र वन्दना चौक पर पुलिस के सामने ही होटल में कुछ यूबको ने हंगामा कर कर्मचारियों से मारपीट कर होटल का सामान बाहर फेंक दिया। आरोप है कि युवक गल्ले से पांच लाख रुपये निकालकर ले ले गए।

नगर निवासी युवक वसीम की दो दुकानों में मुजम्मिल अपने भाईयों के साथ मिलकर अल-अजीज नाम से होटल करते है। दुकान खाली करने को लेकर उनका विवाद चल रहा है। आरोप है कि गुरुवार को वसीम पक्ष ने दुकान में घुसकर तोड़फोड़ कर सामान बाहर फेंक दिया। इससे हंगामा हुआ। राष्ट्र वंदना चौक पर हर समय पुलिस तैनात रहती है।

पुलिस के सामने ही घटना को अंजाम दिया गया। सीओ अनुज कुमार मिश्र व कोतवाली प्रभारी तपेश्वर सागर ने मौके पर पहुंचकर जांच की। मुजम्मिल का आरोप है कि दुकानों का विवाद अदालत में विचाराधीन है। गुरुवार सुबह दस बजे होटल पर वसीम ने अपने स्वजन व अन्य लोगों के साथ मिलकर हथियार लेकर होटल में पहुंचकर तोडफ़ोड़ की। कर्मचारी शाहरुख, सद्दाम, फकरूद्दीन के साथ मारपीट कर मोबाइल छीने तथा होटल का सामान रोड किनारे फेंका गया। गल्ले से करीब पांच लाख रुपये नकद तथा कैमरे की डीवीआर लेकर चले गए। उनके बड़े भाई मुदस्सिर ने कोतवाली पर घटना की तहरीर दी।

वहीं वसीम का आरोप है कि कहने के बावजूद दुकान खाली नहीं की गई थी। उनके द्वारा होटल का सामान बाहर निकालकर अपनी दुकान पर ताले लगाए गए हैं। उधर, कोतवाली प्रभारी तपेश्वर सागर का कहना है कि होटल से सामान निकालने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी ओर वसीम के भाई सलीम ने दुकान पर अवैध कब्जे का प्रयास तथा मारपीट व धमकी देने का आरोप लगाते हुए 21 दिसंबर को आरोपित युवक मुजम्मिल, अमन व दानिश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। घटना को अंजाम देने के आरोपित व्यक्ति सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए। उक्त वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही है। पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपितों की पहचान करेगी।

ध्वस्तीकरण की रस्म अदायगी कर लौटी प्राधिकरण टीम

■ मथुरा

गोवर्धन महमदपुर बाईपास के समीप आन्यौर लिंक मार्ग पर एमवीडीए की टीम राजस्व टीम और पुलिस फोर्स के साथ अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई करने पहुंची। वहां एमवीडीए की टीम ने दो कॉलोनियों के गेट व विद्युत पोल तोड़ कर इतिश्री कर लौट गई। गुरुवार को एमवीडीए की टीम, राजस्व एवं पुलिस टीम के साथ महमदपुर बाईपास के समीप आन्यौर लिंक मार्ग पर रितेश बंसल और राजेश की कॉलोनियों पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई करने पहुंची। टीम ने कॉलोनियों के मुख्य गेट, विद्युत पोल जेसीबी से ध्वस्त कर दिए। एक कॉलोनी में मकानों का निर्माण कार्य चल रहा था। वहां से मजदूर भगाकर कार्रवाई के नाम पर खाना पूर्ति कर टीम वापस लौट गई। रितेश बंसल की कॉलोनी में कार्रवाई कर दूसरी कॉलोनी पर कार्रवाई की जानकारी करने पर एमवीडीए के कर्मचारी ने राजस्व टीम को पीछे-पीछे आने को कह दिया। इस पर राजस्व टीम और कर्मचारियों में हॉक टॉक हुई। कर्मचारी की अनुशासनहीनता को देख वहां उपस्थित लोग दंग रह गए। जेई अनुरुद्ध यादव ने बताया कि रितेश बंसल और राजेश की अवैध कॉलोनियों पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई को गई है। कॉलोनी में मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की। तहसीलदार मनोज कुमार वार्ष्णेय, अशोक चौधरी जेई, मनोज अग्रवाल जेई, सुनील शर्मा जेई, सब इंस्पेक्टर चंद्रवीर सिंह, लेखपाल हरिओम गौतम, ब्रजभूषण अवस्थी, पवन कुमार, आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

अनुष्का शर्मा की बेटी वामिका का चेहरा आया सामने, लोगों ने बताया विराट कोहली की कॉपी

अनुष्का शर्मा का खबरों में रहना तो लाजमी हैं. लेकिन जब से उनकी बेटी (Baby)वामिका का जन्म हुआ है, तभी से वो लगातार खबरों का हिस्सा बनी रहती हैं. एक्ट्रेस (Anushka Sharma)के फैंस उनको देखने के लिए बेकरार रहते हैं. फैंस के मन में केवल एक बात रहती है कि कैसे भी अनुष्का की प्यारी बच्ची (Vamika Kohli)की झलक देखने को मिल जाए. अभी एक्ट्रेस ने अपनी बच्ची (Baby)की तस्वीर साझा नहीं की है. हालांकि उनके फैंस वामिका (Vamika Kohli)की तस्वीर देखने की गुहार लगाते रहते हैं. लेकिन फैंस की लाख गुहार के बावजूद एक्ट्रेस (Anushka Sharma)ने अभी तक बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है.

आपको बता दें, अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) बेटी को लेकर बस से नीचे उतर रहीं थी तो वहां कई पैपराजी मौजूद थे. एक्ट्रेस के साथ उनके पति विराट (Virat Kohli) भी थे. कैमरा मैन ने उनकी तस्वीरें लेनी शुरू कर दीं. हालांकि अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) बेटी को कैमरे से बचाती हुई नजर आ रहीं थी. वहीं विराट कोहली (Virat Kohli)और अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma)की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma)की गोद में उनकी बेटी वामिका भी हैं. वैसे कैमरामेन वामिका की तस्वीर लेने में कामयाब हो गए और सोशल मीडिया पर अब उनकी यह तस्वीर जोरों से वायरल हो रही है. तस्वीर में विराट (Virat Kohli)अनुष्का शर्मा (Anushka Sharma) की बेटी का चेहरा साफ दिखाई दे रहा है. विराट कोहली की बेटी (Vamika Kohli)बेहद क्यूट लग रही है. सोशल मीडिया पर यूजर्स वामिका की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. इसके साथ ही लोग वामिका को विराट की कॉपी बता रहे हैं.

गाना बसपन का प्यार वाले सहदेव दिर्दो सड़क दुर्घटना में हुए घायल, प्रार्थनाओं की है जरूरत

गाना बसपन का प्यार वाले (Song Baspan Ka Pyaar) सहदेव दिर्दो (Sahdev Dirdo) सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं जिसके चलते उन्हें सुकमा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सहदेव दिर्दो (Sahdev Dirdo) के सिर पर चोट लगी है. इस खबर के आने के बाद उनके फैंस और जानने वाले काफी परेशान हो गए हैं. उनके चोट की खबर सुनने के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुकमा कलेक्टर को फोन कर सहदेव (Sahdev Dirdo) का बेहतर इलाज कराने का आदेश दिया है. वहीं CMO ऑफसि ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी कि मुख्यमंत्री श्री @bhupeshbaghel ने सहदेव दिरदो की दुर्घटना की खबर पर दु:ख जताते हुए कलेक्टर श्री..विनीत नंदनवार @SukmaDist को त्वरित रूप से सर्वोत्तम चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है.

गाना बसपन का प्यार वाले सहदेव दिर्दो –

आपको बता दें, बादशाह ने भी ट्वीट के जरिए सहदेव (Sahdev Dirdo) की तबीयत की जानकारी दी कि सहदेव (Sahdev Dirdo) के परि?वार और दोस्तों के साथ संपर्क में हूं वो अभी बेहोश है, अस्पताल के रास्ते में है. मैं उसके लिए खड़ा हूं. आपकी प्रार्थनाओं की जरूरत है. अगर सहदेव की बात करे तो वो छत्तीसगढ़ के निवासी हैं. गाना बसपन का प्यार (Song Baspan Ka Pyaar)के जरिए वो पॉपुलर हुए थे.

यूलीया वंतुर के साथ शादी की चर्चा पर सलमान खान का बयान, जानें क्या कहा

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान (Salman Khan) की शादी का हर किसी को बेसब्री से इंतज़ार है. उनकी शादी अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी रहती है. हाल ही में एक्टर का जन्मदिन था. ऐसे में उनकी शादी की चर्चा एक बार फिर होने लगी है. अगर आपको याद हो तो साल 2016 में खबरें आ रही थी कि सलमान ने गुपचुप तरीके से यूलीया वंतुर (Iulia Vantur) से शादी कर ली है. जिस पर सलमान का बयान अब चर्चा का विषय बना हुआ है.

सलमान (Salman Khan) ने एक मीडिया वेबसाइट से बात करते हुए अपने बयान में कहा था, ये सिर्फ अफवाहें हैं जैसा आपने खुद कहा था. अगर मेरी सगाई हो गई होती या मैं शादी कर रहा होता, तो मैं इस खबर के लीक होने का इंतजार नहीं करता. बल्कि मैं खुद इसकी घोषणा करता. यह मेरे लिए एक गर्व करने की बात होती. मैं उन पुराने स्टार्स की तरह अपनी शादी छिपाता नहीं कि इससे उनकी फैन फॉलोइंग कम हो जाएगी. मुझे पता है कि मेरी शादी से पूरा देश मेरे लिए खुश होगा. सलमान (Salman Khan) ने शादी को लेकर तो साफ कर दिया कि जब भी वो शादी करेंगे, वो खुलेआम इसका ऐलान करेंगे. हालांकि, यूलिया (Iulia Vantur) के साथ शादी पर उन्होंने कुछ भी नहीं कहा.

वहीं, जब सलमान (Salman Khan) से बच्चा पैदा करने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, हां, मैं एक बच्चा पैदा करना चाहता हूं, लेकिन इसके साथ समस्या यह है कि बच्चे के साथ मां भी आती है. अगर मैं मां से बच सकता हूं और एक बच्चा पैदा कर सकता हूं तो मुझे दो या तीन में कोई फर्क नहीं पड़ता. कोई उपाय हो तो बताओ.

खैर, बीते दिनों ही सलमान (Salman Khan) का जन्मदिन बीता है. इस खास मौके पर सलमान अपने पनवेल वाले फार्महाउस पर थे, जहां उन्होंने अपना जन्मदिन शानदार तरीके से मनाया. आपको बता दें कि बीते साल लॉकडाउन के समय यूलिया वंतुर को सलमान और उनकी फैमिली के साथ उनके पनवेल फार्महाउस पर स्पॉट किया गया था. जहां उन्होंने काफी समय साथ में बिताया.

जेनेलिया देशमुख के साथ रितेश ने कर दी थी ऐसी हरकत, रिश्ता टूटने की आ गई थी नौबत!

बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत जोड़ियों में रितेश देशमुख (Riteish Deshmukh) और जेनेलिया देशमुख (Genelia Deshmukh) की जोड़ी भी शामिल है. दोनों की लव स्टोरी तो हर कोई जानता है कि इनके प्यार की कहानी बिल्कुल फिल्मी है. जहां पहले तो जेनेलिया को रितेश काफी घमंडी लगे. लेकिन फिर धीरे-धीरे दोनों ने एक-दूसरे को समझा. जिसके बाद प्यार हुआ, इकरार भी हुआ और फिर शादी हो गई.

लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक मौका ऐसा भी आया था, जब रितेश (Riteish Deshmukh) ने कुछ ऐसा कर दिया था कि उससे इनके रिश्ते में दरार आ सकती थी. जी हां, अगर ऐसा होता तो आप इस प्यारी जोड़ी को साथ नहीं देख पाते. आज हम आपको इस आर्टिकल में उसी किस्से के बारे में बताने वाले हैं.जैसा कि आप जानते हैं कि रितेश (Riteish Deshmukh) काफी मज़ाकिया हैं. अपने व्यवहार के अनुसार ही एक बार उन्होंने जेनेलिया (Genelia Deshmukh) के साथ कुछ मज़ाक करने का सोचा. जिसके बाद उन्होंने जेनेलिया को मैसेज भेजा कि चलो अलग हो जाते हैं. रितेश का ये मैसेज देखकर जेनेलिया पहले तो हैरान रह गई थी. फिर जेनेलिया ने इसे गंभीरता से ले लिया और अलग होने की बात पर हामी भर दी. जिसके बाद ये मज़ाक ब्रेकअप तक पहुंच गया.

लेकिन फिर एक्टर ने जैसे-तैसे कर एक्ट्रेस को काफी समझाया कि उन्होंने अलग होने की बात केवल मज़ाक में लिखी थी. वो कभी एक-दूसरे से अलग नहीं होंगे. जिसके बाद जेनेलिया (Genelia Deshmukh) मान गई और आज भी वो रितेश के साथ हैं. दोनों की जोड़ी फैंस को काफी पसंद आती है. कपल अक्सर एक-दूसरे के साथ तस्वीरें शेयर करता रहता है.

जिस पर लोग खूब प्यार लूटाते हैं.गौरतलब है कि जेनेलिया (Genelia Deshmukh) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने हाल ही में बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान (Salman Khan) के जन्मदिन पर एक पोस्ट शेयर की थी.

पंजाबी सूट के साथ ट्राई करें ये बेहतरीन हेयरस्टाइल्स

पंजाबी सूट इंडियन वियर का एक बेहतरीन आउटफिट होता है। जिसे आप किसी भी ओकेजन पर पहन सकते हैं। जब आप कोई वेस्टर्न आउटफिट पहनते हैं तो आपके पास हेयरस्टाइल्स के ढेरों ऑपशन होते हैं लेकिन जब भी बात पंजाबी सूट की आती है तो आपको कोई हेयरस्टाइल समझ ही नहीं आती है, तो आइए आज हम आपकी इसी दुविधा को दूर करने के लिए पंजाबी सूट की ऐसी कुछ बढ़िया हेयरस्टाइल्स लेकर आए हैं जिनको बनाकर आपकी खूबसूरती में चार-चांद लग जाएंगे, तो आइए जानते हैं-

फ्रंट ब्रेड हेयरस्टाइल

आप अगर पंजाबी सूट पर अपने बाल नहीं खोलने का सोच रही हैं, तो आप फ्रंट ब्रेड हेयरस्टाइल बना सकती हैं। यह आपके चेहरे को क्लीन और अच्छा लुक देगा। आप इसमें स्टाइलिश भी नजर आएंगी। फिल्मों की अधिकतर हीरोइन्स भी पंजाबी सूट में इसी प्रकार के हेयरस्टाइल को ट्राई करना ज्यादा पसंद करती हैं।

रोप-ब्रेड पोनीटेल

रोप-ब्रेड पोनीटेल को आप केवल 5 मिनट में बनाकर ट्राई कर सकती हैं। कई औरतों को यह लगता है कि इसे पहले ब्रेड करना होता है और फिर इसमें पोनीटेल बनानी होती है, लेकिन ऐसा नहीं है। इसको बनाने के लिए आपको अपने बालों को ट्विस्ट करना होता है। पंजाबी सूट पर आप इस हेयरस्टाइल को एक बार ज़रूर बनाएं।

बीच वेव्स हेयरस्टाइल

यह हेयरस्टाइल आपकी लुक में यूनीकनेस भी जोड़ता है। साथ ही इसे बनाना भी बहुत आसान होता है अगर आपके बाल बिल्कुल स्ट्रेट हैं, तो आप उन्हें थोड़ा सा कर्ल करके वीच वेव्स बनाकर ट्राई कर सकती हैं। पंजाबी सूट पर यह हेयरस्टाइल बहुत ही जचता है।

मेसी टॉप नॉट हेयरस्टाइल

पंजाबी सूट के साथ आप इस हेयरस्टाइल को भी ट्राई कर सकती हैं। यह हेयरस्टाइल केजुअल्स में बुहतच अच्छा लगता है। लेकिन आप इसे सूट में भी स्टाइल कर सकती हैं।

पेट के रोगों के लिए अचूक औषधि हरड़

हरड़ का वैसे तो कई चीजों में उपयोग होता है। लेकिन हरड़ आपके शरीर के कई रोगों को भी दूर कर सकता है। कुछ लोग इसे माउथफ्रेशनर की तरह भी इस्तेमाल करते हैं। आइये जानते हैं हरड़ के नुस्खे जो आपके लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। हरड़ का काढ़ा त्वचा संबंधी एलर्जी में लाभकारी है। हरड़ के फल को पानी में उबालकर काढ़ा बनाए और इसका सेवन दिन मे दो बार करें इससे आपको एलर्जी में जल्द आराम मिलता है।

हरड़ नुस्खे के फायदे

- मुंह में सूजन होने पर हरड़ के गरार करने से फायदा मिलता है।
- इसका लेप भी फायदे मंद होता है।
- हरड़ का चूर्ण दांतो के लिए फायदेमंद है।
- हरड़ का इस्तेमाल बाल काले करने के लिए भी होता है
- हरड़ को नारियल तेल के साथ इस्तेमाल करने पर यह बालों को और चमकाता हैं।
- हरड़ को कब्ज़ को दूर करने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।
- हरड़ पुराने से पुराने कब्ज के लिए रामबाण औषधि है ।

प्याज काटते वक्त आते हैं आंसू

किचन के सबसे मुश्किल कामों में से एक है प्याज काटना. दरअसल जब हम प्याज काटते हैं तो हमारी आंखें इसके प्रभाव में आती हैं और हमारी आंखों में तेज जलन होती है और आंसू आने लगते हैं. इसकी वजह प्याज में मौजूद सिंथेस एंजाइम हैं. ये एन्जाइम आंखों की लैक्रिमल ग्लैंड में पहुंचकर जलन पैदा करते हैं जिसकी वजह से आंखों से आंसू निकलने लगते हैं. अगर आप भी प्याज के कारण आने वाले आंसू से बचने के तरीके ढूंढ रही हैं तो यहां आपके लिए कुछ खास तरकीबें बताई जा रही हैं. इन तरकीबों को अपनाकर आप बिना किसी आंसू या जलन के प्याज काट सकती हैं.

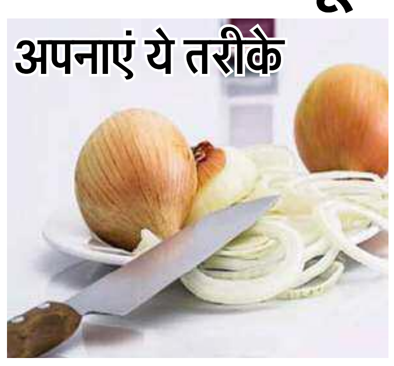

पानी में प्याज काटें

दरअसल जब प्याज काटा जाता है तो वेपर फॉर्मेशन की वजह से इसमें मौजूद एंजाइम हमारी आंखों के संपर्क में आने लगते हैं लेकिन अगर आप प्याज को पानी में डुबाकर काटें तो यह वेपर फॉर्मेशन को बाधित करेगा. इसके लिए एक बर्तन में पानी लें और उसमें प्याज को डुबाकर काटें. इस तरीके को अपनाइये और देखिये, किस तरह प्याज काटने पर भी आपकी आंखों से आंसू नहीं आएंगे.

काटने से पहले पानी में डुबोएं प्याज

अगर आप प्याज को काटने से पहले उसे छीलकर 10 मिनट के लिए पानी में छोड़ दें और फिर उसे निकालकर काटें तो इसे काटते वक्त आंखों से पानी नहीं आएगा. दरअसल जब प्याज को पानी में भिगोकर रखते हैं तो पानी एसिडिक एंजाइम को रिलीज होने से रोक देता है जिस वजह से आंसू नहीं निकलते.

स्टीम के पास काटें प्याज

अगर आपके घर में स्टीमर है तो प्याज काटने से पहले इसे ऑन कर लें. आप अगर उबले पानी के पास भी प्याज काटती हैं तो इससे निकलने वाला स्टीम प्याज के प्रभाव को आंखों तक आने से रोकता है. ऐसे में आंखों में जलन नहीं होती.

च्युइंगम चबाएं

जब भी प्याज काटें, मुंह में च्यूइंगम रखें. ऐसा देखा गया है कि इससे प्याज का असर आंखों पर कम होता है. दरअसल जब आप च्यूइंगम चबाते हैं तो आप मुंह से सांस लेते हैं जिससे प्याज से निकलने वाले वेपर आपकी आंखों के करीब कम आ पाते हैं और आंखों से आंसू नहीं निकलते .

कैंडल जलाएं

प्याज काटते समय अपने पास एक-दो कैंडल जला लें. इससे आपकी आंखों से आंसू नहीं निकलेंगे.

विनेगर में डुबाएं

प्याज को छीलकर उसे कुछ देर के लिए विनेगर और पानी के घोल में डुबोकर रख दें. ऐसा करने से भी आंखों में जलन नहीं होगी.

कम नींद लेने से सेहत को नुकसान

- अगर आप लगातार कम नींद ले रहे है तो इसका असर आपकी याददाश्त पर पड़ता है। अगर आप लगातार कम सो रहे है तो इसका असर आपकी याददाश्त को कमजोर करेगा और आप चीजें भूलने लगेंगे।
- नींद पूरी नहीं होने पर दिमाग भी थका हुआ रहता है ऐसे में मूड भी खराब रहता है। अचानक से मूड में बदलाव होते है। आप तनाव ग्रस्त महसूस करने लगते है।
- बीमारी से बचने के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बहुत जरूरी होता है वहीं अगर आप पर्याप्त नींद नहीं लेते है, तो इसका सीधा असर आपके इम्यून सिस्टम पर पड़ता है। ऐसे में बदलते मौसम में आपको जल्दी बीमारियां अपनी चपेट में लेती है। सर्दी, खांसी, बुखार जैसी बीमारियां ज्यादा होती हैं और शरीर का इम्यून सिस्टम उनसे लड़ नहीं पाता है।
- नींद न होने के कारण आपको चक्कर भी आ सकते हैं। आप थकान महसूस कर सकते है। किसी भी काम को करके आप जल्दी थकान महसूस करने लगेंगे। इसलिए एक्टिव रहने के लिए एक अच्छी नींद का होना भी जरूरी है।

नेचुरल ग्लो पाने के लिए खाएं ये फूड्स

दूध: दूध को कैल्शियम का अच्छा सोर्स माना जाता है. रोजाना दूध का सेवन करने से न केवल शरीर मजबूत बनता है. बल्कि चेहरे पर निखार भी लाया जा सकता है. चेहरे पर कच्चा दूध या मलाई लगाने से चेहरे पर ग्लो ला सकते हैं.

नींबू: नींबू आपके खाने का स्वाद बढ़ाने का काम ही नहीं करता. बल्कि ये आपकी त्वचा के लिए भी बहुत गुणकारी माना जाता है. रोजाना नींबू पानी पीने से पेट से जुड़ी परेशानियों को कम किया जा सकता है. ठीक उसी तरह नींबू को ग्लिसरीन के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर निखार लाया जा सकता है.

सेब: सेब को सेहत के गुणों से भरपूर माना जाता है ये तो सभी जानते हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि सेब से चेहरे की सुंदरता को बढ़ाया जा सकता है. सेब को पीसकर उसमें से रस निकालकर अपने चेहरे पर लगाने से या सेब का सिरका लगाने से चेहरे को चमकदार बनाया जा सकता है.

अखरोट: अखरोट का सेवन स्किन के लिए अच्छा माना जाता है. अखरोट एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जिसमें भारी मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं. ओमेगा-3 फैटी एसिड स्किन को हेल्दी और चमकदार बनाने में मदद कर सकता है.

घरेलू ब्यूटी टिप्स

शहद का फेस पैक

- मुल्तानी मिट्टी, शहद और पानी को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें।
- अब इस पैक को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 से 20 मिनट के लिए लगा रहने दें।
- जब यह सूख जाए, तो अपने चेहरे को गुनगुने या सामान्य पानी से धो लें।
- फिर मॉइस्चराइजर लगा लें।
- हफ्ते में एक से दो बार इस फेस पैक को लगाया जा सकता है।

शहतूत सेहत के लिए लाभदायक

आजकल गर्मी बहुत ज्यादा बढ चुकी हैं ऐसे में हर कोई ठंडा ठंडा खाना और पीना चाहता हैं। इस मौसम में ऐसे बहुत से फल आते है जो शरीर को बहुत ठंडक देते हैं। उन्ही फलों में एक है शहतूत। शहतूत का फल खाने में जितना ज्यादा स्वादिष्ट है उतना ही सेहत के लिए बहुत फायदेमंद भी है। इसमें पोटेशियम, विटमिन ए और फॉस्फॉरस काफी मात्रा में पाया जाता है। इस फल का रंग काला होता है। काले रंग के अलावा यह लाल और हरे रंग का भी मिलता है लेकिन हरे रंग का शहतूत खाने में तीखा या खट्टा लगता है। आइए आपको बताए शहतूत खाने के सभी फायदे:-

कलेस्ट्रॉल कंट्रोल करता है :

शहतूत का रस दिल के रोगियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। रोज सुबह इसका जूस पीने से दिल स्वस्थ रहता है। साथ ही यह कलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल में रखता है।

खून साफ करता है :

शहतूत खाने से खून से जुड़ी सभी बीमारियों में आराम मिलता है। शहतूत, अंगूर और गुलाब की पंखुडियों से बने रस में चीनी मिलाकर पीने से खून साफ होता है।

सूजन दूर होती :

हर्बल एक्सपट्र्स के अनुसार, शरीर में कहीं भी सूजन होने पर शहतूत के रस में शहद मिलाकर लेप लगाने से सूजन में काफी आराम मिलता है।

लू से करता है बचाव :

गर्मी के दिनों में अगर लू से बचने के लिए शहतूत का खूब इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हर्बल एक्सपट्र्स गर्मी में शहतूत के रस में चीनी मिलाकर पीने की सलाह देते हैं। शहतूत की तासीर ठंडी होती है, जिससे गर्मी में होने वाले लू से बचा जा सकता है।

पेट के कीड़े मरते हैं :

शहतूत में कैल्शियम, फॉस्फॉरस विटामिन और पोटैशियम होता है। बच्चों को इसका जरूर करना चाहिए क्योंकि इसमें न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं यह पेट के कीड़ों को भी मारने का काम करता है।

थकान दूर करने में सहायक :

गर्मियों में बहुत प्यास लगती है। ऐसे में शहतूत खाने से प्यास शांत हो जाती है। पहाड़ों में ट्रेकिंग के दौरान शहतूत खाने से थकान भी कम लगती है।

2 दिन के श्रीनगर ट्रिप में इस तरह करें घूमने की प्लानिंग

झेलम नदी के रूट पर स्थित श्रीनगर बेहद ही खूबसूरत टूरिस्ट प्लेस है। श्रीनगर को प्राकृतिक उद्यानों, खूबसूरत झीलों और हस्तशिल्प के लिए जाना जाता है। बर्फ से ढका श्रीनगर सर्दियों में बहुत ही खूबसूरत और गर्मियों में हरा भरा दिखने लगता है। झेलम नदी के रूट पर स्थित श्रीनगर बेहद ही खूबसूरत टूरिस्ट प्लेस है। श्रीनगर को प्राकृतिक उद्यानों, खूबसूरत झीलों और हस्तशिल्प के लिए जाना जाता है। बर्फ से ढका श्रीनगर सर्दियों में बहुत ही खूबसूरत और गर्मियों में हरा भरा दिखने लगता है। अगर आप भी श्रीनगर घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो इस लेख में आज हम आपको 2 दिन के लिए श्रीनगर ट्रिप में कहां कैसे घूमें जैसी जानकारियां देने वाले हैं। आप भी कुछ इन यात्रा कार्यक्रम के जरिए श्रीनगर घूम सकते हैं।

श्रीनगर में डल झील

डल श्रीनगर शहर की सबसे खूबसूरत झील है। आप कह लीजिए श्रीनगर का गौरव है डल झील। ये झील श्रीनगर में आए पर्यटकों को बेहद ही शांति देती है, साथ ही यहां के शिकारों की सैर दिल को खुश कर देती है। डल झील एक ऐसी यात्रा है जिससे जुड़ी यादें आप अपने साथ हमेशा रखना चाहेंगे। पूरा क्षेत्र लुभावने नजारों और ऊंचे पेड़ों और नाव की सवारी से घिरा हुआ है। डल झील की यात्रा आप सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच कर सकते हैं।

इंदिरा गांधी ट्यूलिप गार्डन

अगर डल झील का आनंद लेकर सही टाइम पर निकल गए, तो इंदिरा गांधी ट्यूलिप गार्डन भी श्रीनगर की सबसे सबसे शानदार स्थलों में से एक है। हालाँकि यह केवल अप्रैल में खुलता है, लेकिन इस महीने आने वाले यात्रियों को इस जगह को अपनी लिस्ट में जरूर शामिल करना चाहिए। अद्भुत उद्यान में आपको हर जगह एक से एक खूबसूरत फूल देखने को मिल जाएंगे। जगह की सुंदरता को निहारते हुए कोई भी यहां घंटों बिता सकता है। कुछ पर्यटक असल में इन सुंदर उद्यानों की भव्यता को देखने के लिए भी श्रीनगर जाते हैं। इंदिरा गांधी ट्यूलिप गार्डन 24 घंटे खुलता और एंट्री फीस 50 रुपए है।

श्रीनगर में परी महल

परी महल एक सुंदर खंडहर है जो डल झील, पहाड़ों और पहाड़ियों और श्रीनगर शहर के आश्चर्यजनक दृश्यों के लिए जाना जाता है। परी महल नाम का अर्थ है स्वर्गदूतों का महल और यह देखने के लिए बिल्कुल परफेक्ट जगह है। अगर आपके पास कुछ खाली समय बचा हुआ है, तो इस जगह की यात्रा जरूर करें। चश्माशाही से एक छोटी ड्राइव की दूरी पर परी महल मौजूद है। पारी महल में घूमने का समय सुबह 9:30 से शाम 5:30 बजे के बीच है और यहां की एंट्री फीस 10 रुपए है।

श्रीनगर में हजरतबल मस्जिद

श्रीनगर में हज़रत **बाल मस्जिद**, जिसे अक्सर "हज़रतबल" **कहा** जाता है, शहर का सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है और शायद मक्का के अलावा अन्य हज यात्रियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण मस्जिद में से एक भी। खूबसूरत सफेद मस्जिद हर तरह से शांत और खूबसूरत है। कबूतरों को मस्जिद के चारों ओर उड़ते हुए देखना एक प्यारा और शांत अनुभव है। "हज़रत का अर्थ है ऐश्वर्य जबकि" बाल "का अर्थ है बाड़ा। धार्मिक, लेकिन कला प्रेमियों, संस्कृति चाहने वालों, इतिहास प्रेमियों और वास्तुकला के प्रेमियों के लिए निश्चित रूप से यह जगह आपको बेहद पसंद आने वाली है।

निगीन झील, श्रीनगर

इस झील की अजीबोगरीब आकृति की वजह से इस झील का नाम ये पड़ा है। डल झील के ठीक बगल में स्थित, इस झील को कभी-कभी एक एक ही झील माना जाना है, लेकिन ये जगह देखने में बेहद ही प्यारी है। घूमने वाली झील में एक प्राचीन प्राकृतिक सुंदरता है जो इसे विरासत में मिली है। आप शिकारा का उपयोग कर सकते हैं या यहां तक कि कई खूबसूरत बोट हाउस की सवारी भी कर सकते हैं। झील और इसके आसपास का नजारा इत्मीनान से देखने लायक जगह है।

श्रीनगर में शंकराचार्य मंदिर

शंकराचार्य मंदिर को श्रीनगर में घूमने के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक माना जाता है। मंदिर एक पुराने संत को समर्पित है। पारंपरिक हिंदू शैली की वास्तुकला में निर्मित, यह सुंदर मंदिर देखने लायक है। मेहराब, सीढ़ियाँ और शिखर शैली आपको वापस पुराने समय में ले जाएगी। मंदिर जहां स्थित है वहां शंकराचार्य पहाड़ी से शहर का नजारा भी काफी शानदार है। इतिहास प्रेमी, संस्कृति चाहने वाले और निश्चित रूप से धार्मिक लोगों को यह जगह काफी आकर्षक लगेगी। शंकराचार्य मंदिर के दर्शन आप सुबह 7 बजे से शाम 8 बजे के बीच कर सकते हैं।

आज की रेसिपी

दही उपमा

यह एक झटपट तैयार होने वाली रेसिपी है. इस साउथ इंडियन उपमा रेसिपी में आपको दही के साथ खुशबूदार मसालों का स्वाद भी मिलेगा.

सामग्री :

- 2 कप सूजी
- 1 टी स्पून सरसों के बीज
- 10-12 कढ़ीपत्ते
- 1 टी स्पून उड़द की दाल
- 1 टी स्पून चना दाल
- 1 प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ
- अपनी पसंद की 1/2 कप सब्जी, कटी हुई
- 1 कप दही
- 1 टेबल स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट
- 2 हरी मिर्च (स्लिट)
- स्वादानुसार नमक
- स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
- धनिया पत्ती गार्निश करने के लिए

विधि :

- सूजी को खुशबू आने तक भूनें. इसे एक तरफ रख दें.
- एक पैन में घी गरम करें. इसमें राई, कढ़ीपत्ता, उड़द दाल और चना दाल डालें और इसे चटकने दें.
- अदरक लहसुन का पेस्ट डालें और इसे भूनें.
- जब प्याज ब्राउन हो जाए तो इसमें सब्जियां डालें और पैन को ढक दें सब्जियों को पकने दें.
- दही वाला पानी डालें और एक मिनट के लिए भूनें. भूनी हुई सूजी डालें, इसी के साथ 4 कप पानी डालें और सभी चीजों को पकने दें.
- हरे धनिए से गार्निश करें और गर्मागर्म सर्व करें.

जोहानिसबर्ग टेस्ट में आत्मविश्वास में कमी नहीं आएगी: एल्गर

एजेंसी ■ सेंचुरियन

बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण दक्षिण अफ्रीका को उसके गढ़ में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में शिकस्त झेलनी पड़ी लेकिन कप्तान डीन एल्गर ने कहा कि उनकी टीम जोहानिसबर्ग में खेले जाने वाले दूसरे मैच में मैदान में उतरेगी तो उसका आत्मविश्वास कम नहीं होगा।

मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज सहित भारतीय तेज आक्रमण ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम दोनों पारियों में 197 और 191 रन पर आउट हो गई। भारत ने पहला टेस्ट 113 रन से अपने नाम किया। मैच के बाद एल्गर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे नहीं लगता कि जोहानिसबर्ग में जाने से किसी तरह से हमारा आत्मविश्वास कम होने वाला है। एक मैच हारना कभी अच्छा नहीं होता, खासकर जब हम जानते हैं कि हमने कहां गलती की है। मैच के दौरान उन गलतियों को सुधारना मुश्किल है।

उन्होंने कहा, उम्मीद है कि वांडरर्स (जोहानिसबर्ग) में दूसरे टेस्ट के लिए पहुंचने तक हमारे पास कुछ समय होगा। हमारे पास अपने प्रदर्शन की समीक्षा का समय होगा। दक्षिण अफ्रीका के लिए यह पिछले छह महीने में पहला टेस्ट मैच है। टीम ने एल्गर की कप्तानी में अभी तक सिर्फ छह मैच खेले है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका जाने से मना कर दिया था। एल्गर ने टीम की नियमित

कप्तानी मिलने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में 2-0 से जीत दर्ज की थी लेकिन भारत के हाथों पहले टेस्ट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। एल्गर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इससे (हार) हमारा आत्मविश्वास डगमगायेगा। पिछले छह महीनों में हमने अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए हमें उस तरह की अच्छी ऊर्जा का उपयोग करना है जो हमारे पास है।

उन्होंने कहा, हाँ, हम निश्चित रूप से एक समूह के रूप में अपने खेल की समीक्षा करेंगे। हम निश्चित रूप से वापसी करेंगे। यह वही है जो मैं उम्मीद कर रहा हूं। भारतीय टीम ने मैच के पहले दिन तीन विकेट पर 270 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी। राहुल ने इस दौरान शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने कहा, भारत ने पहली पारी में 300 से ज्यादा रन बनाए, टॉस जीतना भी उनके पक्ष में गया। यह रन हमें खेल के बाकी चारों दिन महंगे पड़े। पहले दिन अगर आप सिर्फ तीन ही विकेट लेते है तो जाहिर है कि यह आपको महंगा पड़ेगा। भारतीय टीम ने पहली बार सेंचुरियन में जीत दर्ज की है जबकि इस मैदान में 26 मैचों में दक्षिण अफ्रीका की यह सिर्फ दूसरी हार है। एल्गर ने कहा कि उनकी टीम को मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह के खिलाफ सावधान रहना होगा जिन्होंने इस मैच में आपस में 13 विकेट साझा किए।

उन्होंने कहा, शमी ने जाहिर तौर पर हमारे दाएं हाथ के बल्लेबाजों को परेशान किया। बुमराह हमेशा ऊर्जा से भरे रहते हैं। आपको दोनों के खिलाफ सतर्क रहना होगा। उनकी गेंदबाजी काफी संतुलित है। उन्होंने कहा, सिराज भी उपयोगी गेंदबाज है लेकिन हमारी टीम को अनुभवी शमी और बुमराह से अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

एक नजर

स्मृति मंधाना आईसीसी की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टी20 महिला क्रिकेटर के लिए नामित

दुबई। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को गुरुवार को तीन अन्य क्रिकेटरों के साथ आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। मंधाना के अलावा इंग्लैंड की क्रिकेटर टैमी ब्यूमोंट और नेट साइवर तथा आयरलैंड के गैबी लुईस इस पुरस्कार की अन्य दावेदार हैं। मंधाना ने 2021 में नौ टी20 मैचों में 31.87 की औसत से 255 रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। भारत के किसी भी खिलाड़ी को हालांकि वर्ष 2021 के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर के लिए नामित नहीं किया गया है। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम, दक्षिण अफ्रीका के जानेमन मलान और आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं।

भारतीय स्कीयर आरिफ खान ने शीतकालीन ओलंपिक की दो स्पर्धाओं के लिए क्वालिफाई किया

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के अल्पाइन स्कीयर आरिफ मोहम्मद खान अगले साल चार फरवरी से बीजिंग में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक की दो अलग-अलग स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। आरिफ ने हाल में जाइंट स्लालोम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करके यह विशिष्ट उपलब्धि हासिल की। इससे एक महीने पहले उन्होंने दुबई में ओलंपिक क्वालीफायर में अल्पाइन स्कीइंग के स्लालोम वर्ग में शीतकालीन ओलंपिक में जगह बनाई थी। उनके प्रमोटर जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने इसकी पुष्टि की। जेसएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, इससे पहले स्लालोम में शीतकालीन ओलंपिक 2022 में जगह बनाने वाले आरिफ खान ने अब जाइंट स्लालोम के लिए भी क्वालीफाई किया है।

क्रिकेट

भारतीय क्रिकेट के शानदार वर्षों में गिना जाएगा 2021 : राहुल

एजेंसी ■ सेंचुरियन

भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने गुरुवार को कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा में असंभव मानी जा रही जीत हासिल करना और अब दक्षिण अफ्रीका के अभेद्य किले सेंचुरियन में सफलतापूर्वक सेंध लगाने से 2021 को भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल वर्षों में गिना जा सकता है।

साल के शुरू में जीत और अंत से जीत से करने के अलावा भारत ने इस बीच लार्ड्स और ओवल में भी जीत दर्ज की थी। राहुल ने इनमें से तीन जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह लार्ड्स में शतक जड़कर भारत की जीत के नायक बने थे। और अब सेंचुरियन में पहली पारी में शतक बनाकर उन्होंने भारत की जीत की नींव रखी। भारत सेंचुरियन में जीत हासिल करने वाली पहली एशियाई टीम बन गई है। राहुल ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारतीय टीम के लिए यह साल शानदार रहा। हमने इस साल जिस तरह की उपलब्धियां हासिल की वे वास्तव में विशेष हैं। मेरा मानना है कि इसे भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे शानदार वर्षों में गिना जाएगा। राहुल ने कहा, इसके लिए काफी मेहनत और अनुशासन की जरूरत पड़ती है। हमने एक टीम के तौर पिछले कुछ वर्षों में काफी कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए ड्रेसिंग रूम के शानदार माहौल को भी श्रेय जाता है और अच्छी तैयारियों को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। राहुल ने कहा, इस समय ड्रेसिंग रूम का माहौल शानदार है। यह एक बेहतरीन जीत है। कोई भी एशियाई टीम यहां सेंचुरियन में नहीं जीत पाई है और इससे पता चलता है कि हमने पिछले दो सप्ताह में किस तरह की तैयारियां की। उन्होंने कहा, हमने एक टीम के रूप में वास्तव में कड़ी मेहनत की और अभ्यास का पूरा लुत्फ उठाया। राहुल ने कहा कि टीम ने हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे उसकी बड़ी जीत सुनिश्चित हुई। उन्होंने कहा, श्रृंखला के पहले मैच में इस तरह के प्रदर्शन से हम काफी खुश हैं। टीम ने हर विभाग में अच्छा खेल दिखाया। हम एक दिन इस जीत का जश्न मनाएंगे और फिर अगले टेस्ट मैच की तैयारियों पर लग जाएंगे। दूसरा टेस्ट मैच तीन जनवरी से जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा।

भारत की पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका पर बड़ी जीत

एजेंसी ■ सेंचुरियन

जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी तिकड़ी ने फिर से अपना जलवा दिखाया जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें दिन गुरुवार को 113 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में।-0 से बढ़त बनाई।

दक्षिण अफ्रीका की टीम 305 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन दूसरे सत्र के दूसरे ओवर में अपनी दूसरी पारी में 191 रन पर आउट हो गई। भारत ने अपनी पहली पारी में 327 और दूसरी पारी में 174 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 197 रन ही बना पाया था। भारत की तरफ से पहली पारी में शतक जड़ने वाले केएल राहुल को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस साल के शुरू में ब्रिसबेन के गाबा में आस्ट्रेलिया का विजय अभियान थामने के बाद भारत ने सुपरस्पोर्ट पार्क पर दक्षिण अफ्रीका का विजय रथ रोककर 2021 का अंत किया। दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले 2014 से लेकर सुपरस्पोर्ट पार्क में लगातार सात जीत दर्ज की थी। भारत

की यह सेंचुरियन में पहली और दक्षिण अफ्रीकी धरती पर टेस्ट मैचों में चौथी जीत है लेकिन इससे उसने इस देश में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। श्रृंखला का दूसरा मैच तीन जनवरी से जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा जहां भारत दो मैच जीत चुका है।

भारत ने यह जीत एक तरह से साढ़े तीन दिन में हासिल की क्योंकि मैच का दूसरा दिन बारिश की भेंट चढ़ गया था। भारतीय तेज गेंदबाजी की तिकड़ी बुमराह, शमी और सिराज के सामने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज असहाय नजर आए। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बाद में कहा, हम जैसा चाहते थे हमें वैसी ही शानदार शुरुआत मिली। चार दिन में परिणाम हासिल करने से पता चलता है कि हमने कितना अच्छा खेल दिखाया। दक्षिण अफ्रीका में जीत दर्ज करना आसान नहीं है लेकिन हमने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। भारत ने सुबह के सत्र में तीन विकेट निकालकर लंच तक दक्षिण अफ्रीका का स्कोर सात विकेट पर 182 रन कर दिया था। उसने लंच के बाद बाकी बचे तीनों विकेट दो ओवर के अंदर निकालकर शानदार जीत दर्ज की। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (18 रन देकर दो) ने लगातार गेंदों पर आखिरी दो विकेट लेकर मैच का अंत किया। बुमराह (50 रन देकर तीन विकेट) ने सुबह के सत्र में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान डीन एल्गर (156 गेंदों पर 77 रन) को आउट करके शुरुआत की तो इसके बाद सिराज (47 रन देकर दो) और शमी (63 रन देकर तीन) ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई।

चार दिन के अंदर नतीजा हासिल करना हमारी बेहतर तैयारियों को दर्शाता है: कोहली

सेंचुरियन। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका को तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच में 113 रन से शिकस्त देने के बाद गुरुवार को यहां कहा कि खेल के चार दिनों के अंदर नतीजा हासिल करने से उनकी टीम की बेहतर तैयारियों के बारे में पता चलता है। दक्षिण अफ्रीका की टीम 305 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन दूसरे सत्र के दूसरे ओवर में अपनी दूसरी पारी में 191 रन पर आउट हो गई। भारत ने अपनी पहली पारी में 327 और दूसरी पारी में 174 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 197 रन ही बना पाया था। श्रृंखला में।-0 की बढ़त हासिल करने के बाद कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, हम उस तरह की शुरुआत करने में सफल रहे जैसा चाहते थे। चार दिन में परिणाम मिलने से पता चलता है कि हमने कितना अच्छा खेल दिखाया। हमारे लिए दक्षिण अफ्रीका हमेशा मुश्किल जगह रहा है। हमने हालांकि बल्ले और गेंद से मैदान में शानदार प्रदर्शन किया। मैच का दूसरा दिन पूरी तरह से बारिश की भेट चढ़ गया था। इसके बाद भी भारतीय टीम पांचवें दिन लगभग दो सत्र का खेल बाकी रहते जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत ने प्रभावी रूप से साढ़े तीन दिन से कम समय में ही यह जीत दर्ज की।

मालविका और मिथुन सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट के चैम्पियन बने

एजेंसी ■ हैदराबाद

दूसरी वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ और आठवीं वरीयता प्राप्त मिथुन मंजूनाथ ने गुरुवार को यहां अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में सीधे गेमों में जीत के साथ क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब अपने नाम किए। रोहन कपूर और संजना संतोष की मिश्रित युगल जोड़ी ने लगातार दूसरे साल इस खिताब को अपने नाम किया।

महिला एकल के फाइनल में मालविका ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और पिछले सप्ताह सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट की विजेता रही आकर्षि कश्यप को 42 मिनट में 21-15, 21-9 से हराया। मिथुन ने विश्व जूनियर के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी आदित्य जोशी को 21-15, 21-4 से मात देकर पुरुष एकल का खिताब जीता। आदित्य ने क्वालीफाइंग से फाइनल तक पहुंच कर अपने खेल से सबको को प्रभावित किया। पिछले सप्ताह चेन्नई चरण की विजेता कपूर और संजना की वाइल्ड कार्डधारी जोड़ी ने ध्रुव रावत और शिखा गौतम की जोड़ी को 33 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 21-13 से हराया। महिला युगल के फाइनल में सिमरन सिंह और खुशी गुप्ता की जोड़ी ने तेलंगाना की वेन्नाला के और श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 21-13 ने हराकर अपना पहला सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता। पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में कृष्ण प्रसाद गागरा और विष्णुवर्धन गौड़ पी. की जोड़ी ने केरल के रविकृष्ण पीएस और शंकरप्रसाद उदयकुमार की जोड़ी को 21-9, 21-12 से शिकस्त दी। लंदन ओलंपिक (2012) की पदक विजेता साइना नेहवाल पुरस्कार वितरण में यहां उपस्थित थीं। इस दौरान चैम्पियन खिलाड़ियों के बीच कुल 10 लाख रुपए की पुरस्कार राशि वितरित की गई।

गांगुली की हालत स्थिर

कोलकाता। बीसीसीआई अध्यक्ष और भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की हालत स्थिर है जिन्हें तीन दिन पहले कोरोना संक्रमण के बाद एहतियात के तौर पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वुडलैंड्स अस्पताल की एमडी और सीईओ डॉक्टर रूपाली बसु ने एक बयान में कहा , अस्पताल में भर्ती होने के तीसरे दिन बीसीसीआई अध्यक्ष और भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की हालत स्थिर है। उनका रक्तचाप और ह्रदयगति स्थिर है और शरीर में आक्सीजन का प्रवाह भी सामान्य है। उन्होंने कहा , कल रात उन्हें अच्छी नींद आई। उन्होंने नाश्ता और लंच भी किया। मेडिकल बोर्ड उनकी हालत पर नजर रखे हुए है। गांगुली को इस साल की शुरूआत में दो बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जब उनकी आपात एंजियोप्लास्टी हुई थी।

कोरोना मामलों के कारण पृथकवास पर इंग्लैंड के कोच सिल्वरवुड

एजेंसी ■ मेलबर्न

इंग्लैंड के खेमे में कोरोना संक्रमण के सात मामले आने के बाद कोच क्रिस सिल्वरवुड पृथकवास में रहेंगे और आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे एशेज टेस्ट के दौरान टीम के साथ नहीं होंगे।

इंग्लैंड टीम के किसी सदस्य के परिजन के संक्रमित पाए जाने के बाद सिल्वरवुड को पृथकवास में रहना होगा हालांकि उन्हें कोरोना संक्रमण होने के कोई संकेत नहीं हैं। वह अपने परिवार के साथ दस दिन मेलबर्न में ही पृथकवास में रहेंगे जहां तीसरा टेस्ट खेला गया था। चौथा टेस्ट पांच जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। इंग्लैंड तीनों टेस्ट हार चुका है और आस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की श्रृंखला में 3.0 की विजई बढत बना ली है।

इंग्लैंड ने बताया कि परिवार के एक सदस्य की जांच रिपोर्ट बुधवार को आई। आज भी कई दौर में पीसीआर टेस्ट होंगे। सोमवार से अब तक हुई जांच में इंग्लैंड के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्य और परिवार के चार सदस्य संक्रमित पाए गए हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इस बीच बताया कि आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और सिडनी टेस्ट के लिए मैच रैफरी डेविड बून भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उनकी जगह स्टीव बर्नार्ड मैच रैफरी होंगे।

अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा कोरोना वायरस से संक्रमित

एजेंसी ■ मेलबर्न

फ्रेंच ओपन की उपविजेता अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है, जिससे 17 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उनकी भागीदारी पर संदेह है। रूस की इस 30 साल की खिलाड़ी ने कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव आने की पुष्टि करते हुए कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद मंगलवार से पृथकवास है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरा पूरी तरह से टीकाकरण (वैक्सीनेशन) हो गया है और मैं दुबई में सत्र की शुरुआत की तैयारी कर रही थी। उन्होंने कहा, हम हालांकि बहुत कठिन और अप्रत्याशित समय में जी रहे हैं। अभी मैं पूरी तरह दूसरों से अलग, एक विशेष होटल में चिकित्सकों की निगरानी में सभी प्रोटोकॉल का पालन कर रही हूं। पाव्लुचेंकोवा अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है। वह अभी करियर की सर्वश्रेष्ठ 11वीं रैंकिंग पर है।

अंडर-19 सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 103 रन से रौंदा, फाइनल में श्रीलंका से भिड़ंत

भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा

एजेंसी ■ शारजाह

शेख राशिद की 90 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने अंडर 19 एशिया कप के सेमीफाइनल मुकाबले में गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ 103 रन की प्रभावशाली जीत दर्ज की। राशिद की 108 गेंद में तीन चौके और एक छक्का जड़ति संयमित पारी से भारत ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 243 रन बनाने के बाद बांग्लादेश की पारी को 38.2 ओवर में 140 रन पर समेटकर फाइनल में जगह पक्की की, जहां उसका सामना श्रीलंका से होगा। श्रीलंका ने दुबई में खेले गए एक अन्य सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 22 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद

अंगकृष रघुवंशी (16) और हरनूर सिंह (15) क्रीज पर थोड़ा समय बिताने के बाद बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। आठवें ओवर में हरनूर के पवेलियन लैटने के बाद क्रीज पर उतरे राशिद ने आखिर तक एक छोर संभाले रखा। इस दौरान उन्हें कप्तान यश ढूल (26) और राज बावा (23) का साथ मिला लेकिन ए दोनों भी सलामी बल्लेबाजों की तरह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। आखिरी ओवर में पुछल्ले बल्लेबाजों राजवर्धन हंगरगेकर (सात गेंद में 16 रन) और विक्की ओस्तवाल (18 गेंद में नाबाद 28 रन) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर स्कोर को 240 के पार पहुंचाया। रकीबुल हसन बांग्लादेश के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 10 ओवर में 41 रन देकर तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते समय बांग्लादेश ने पहले पांच ओवर में 31 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने शिकंजा कस दिया और टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। उसके लिए अरिफुल इस्लाम ने 42 और सलामी बल्लेबाज महफिजुल इस्लाम ने 26 रन का योगदान दिया। भारतीय टीम के लिए हंगरगेकर, रवि कुमार, बावा, ओस्तवाल ने दो-दो जबकि निशांत सिद्धू और कुशल तांबे ने एक-एक विकेट लिया। दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका ने 70 रन पर आठ विकेट गंवाने के बाद नौवें और 10वें और 11वें क्रम के बल्लेबाजों यशिरू रोड्रिगो (नाबाद 31), मथीशा पथिराना (31) और त्रिवीन मैथ्यू (12) की उपयोगी पारियों से 44.5 ओवर में 147 रन बनाए।

लेखा-जोखा

2021 : नीरज चोपड़ा का यश, सुशील कुमार का अपयश और हॉकी का ऐतिहासिक पदक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

तोक्यो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और इस गौरव गाथा के नायक रहे नीरज चोपड़ा जिनके भाले ने भारत के ओलंपिक इतिहास का सुनहरा अध्याय लिख डाला। वहीं आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारतीय हॉकी का चार दशक पुराना इंतजार कांस्य पदक के साथ खत्म हुआ तो क्रिकेट में आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत की झोली खाली रहने के बाद विराट कोहली और रवि शास्त्री के दौर का अंत हो गया।

वर्ष 2021 में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार के पतन को भी खेलप्रेमियों ने देखा। ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड स्पर्धा में पहली बार राष्ट्रगान बजा तो टीवी पर नजरें गड़ाए बैठे एक अरब से अधिक भारतीयों की आंखें नम हो गई। आजादी के बाद से 74 साल में ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड पर भारत को पहला चैम्पियन मिला और पूरे देश ने उसे सिर आंखों पर बिठा लिया। यह लाजमी भी था क्योंकि अतीत में एथलेटिक्स में ओलंपिक पदक से मामूली अंतर से चूकने का दर्द दो बार भारत ने झेला था। अभिनव बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीता था जिसके बाद ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत का यह दूसरा स्वर्ण था।

भारत ने ओलंपिक में छह और पदक जीते। पहले ही दिन मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में 49 किलो वर्ग में 202 किलो वजन उठाकर भारत का खाता खोला। रियो ओलंपिक 2016 में एक भी वैध लिफ्ट नहीं कर सकी चानू ने तोक्यो के रजत से दृढ इच्छाशक्ति, जुझारूपन और लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्धता की एक नई दास्तान लिख दी। एक और इतिहास रचा गया हॉकी के मैदान पर। ओलंपिक में भारत के दबदबे की कहानियां सुनकर बड़े हुए साधारण परिवारों से आए लड़कों ने 41 साल बाद पोडियम पर खड़े होकर उस गौरवशाली इतिहास की यादें ताजा करा दी।